



CO-SPONSORED BY

Ministry of Steel
Ministry of Mines
Ministry of External Affairs
Council of Scientific & Industrial Research
GOVERNMENT OF INDIA

12th International Exhibition & Conference

29 - 31 AUGUST 2018

PRAGATI MAIDAN, NEW DELHI, INDIA

CO-LOCATED SHOWS













MEDIA COVERAGE



THE TIMES OF INDIA

RISE OF METAL INDUSTRIES

UNLIMITED BUSINESS OPPORTUNITIES FOR METAL INDUSTRY IN INDIA



Engineer. edit. etimograpiconi

This is the in interpretary development and automotive polar partial products on their mode at partial to the minute and mining secure power in ordinate trained to their partial to the control products and strained to their partial to the control products and their partial to their partial to the control to their partial partial to their partial to the control to the control partial part

Despite the tree and secret is set to continue, given the closely greatly experience for the moderated and conserving feedbay admired. The government of finish is idensating steps to boost the country's deseries about serior and rakes the requestry in 30 willing seriors (EE). The Linton Coheren has admired approved the "Automat Secrit Holico (NOS) has experient the recent a provider as

In adolption to the the content of their content of the first than proof a first content of the first than proof a first of red to democrating the enemy of a first adolption and made advantage to a first than the first than the first than the first than the first in present with other to first the first than the test for making believe, the TJB MID and assume that may be for TJB MID and assume that may be for TJB MID TJB 2001 collection and conference and witerus distrailed para higadas from more han 200 relations has arms the globe on the terral seamont. The count and he insummed of the three Managers inche from Managers inche from the countries inche from the countries inche from the countries inche from the countries of the countries of the provide of inche and the provide of inche and the provide of inche and the

gowth of Indian tollastwature review and the samedockning, selected, there is a send the not feel lenderers, platform while you connect the area tollaway of bodie a thin in global places. The key objective of finish hardway profession in the

hity the hallow abol postcore, influsion-time deviopers and manufacturing histories for inchinality and appears and manufacturing histories for inchinality and law-singer transfer, developing, all research appears or accordancy and agrees, now more or inventional, too to their indicatories will including places. Notehing one matter appearabilities, in: We look make of the indicator and attend the cream is explore the new points in colories of the indicator; schools high or countried program are sobe placent along with the condition.



Pre- Owned Machinery from 18 Countries

www.umexonline.co



Approx Protect



15 Selection Company Selection No. 1 of Shalton Real of Selection Selection

of Brainer Read
tree Onde Sales Reposition
of Markets Base
of Market States
of Market States

7-31 H 4 See So. If at Metro Dadge Service A Circum Later Transition

एमएमएमएम का उद्घाटन २९ अगस्त को

जयपुर। खाँनम धानु धानु विज्ञान और समग्री अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शन और सम्मलन (एमएमएमएम) 2018का 12 जो संस्कारण दुनिया के इस हिस्से में सबसे बडा का उद्घाटन 29 अगस्त 2018 को प्रगति मैदान में इस्पात मंत्री चौधरी बिसेंद्र सिंह इस्पात मंत्री मौजूदा चुनीतियों पर भी चर्चा करेंगे। आईटीईआई के निदेशक संनीव बन्ना - ने कहा कि अंततः 2 वर्षों के इंतजार के बाद यह आपको हमारे साथ साझा करने में हमें बहुत चुशी देता है कि आई टीई आई एमएमएमएम 2018 खनिज धानु धानु विज्ञान पर सबसे बड़ा और सबसे प्रतिष्ठित कार्यक्रम कर अनावरण प्रगति मैदान न्हींदिल्ली भारत में 29-31 अगस्त को करेगा। हमें आशा है कि सकार दीर्ष कार्रिक स्थापित्व और सकारत्मक पारिस्थित की तंत्र को प्रोत्साहित करने के लिए सम्बर मीति शुक्र करेगी। चृक्ति अमेरिकी सरकार जाता से इस्पात सम्बद्धी पर एंटी खेंग्यन कर को बनाए रख की है लेकिन हरत हो में जापान स्पेन और ब्रांगील के लिए उन्हें समाप्त कर हो है एमएमएमएम 2018 व्यापक जापार मंच सभी हित धारकों के लिए संपादक वरिष्ट सरकारों अधिकारी निर्णय निर्माताओं और उद्योग के उद्यमियों के पर्यमगंदाताओं के सहस्र मिलकर ब्रांतचीड और नेटबर्क के लिए एक शानदार अवसर होगा। यह उम्मीद को जाती है कि एमएमएमएम 2018 12000 में अधिक ब्यापार अमेतुक और 1000 मिलेशों निर्मेशकों और दुनिया के प्रतिभागियों की पवाह करेगा। मेंक इन इंडिया कार्यक्रम के तहत सरकार द्वारा पहचाने जाने बाल लगभग दी दर्जन क्षेत्रों में कम से कम नी उद्योगों में ब्रिनियांण को प्रतिस्पर्धात्मकता के लिए इस्पात महत्वपूर्ण है।

एमएमएमएम का उद्घाटन 29 अगस्त को

नई दिल्ली (एजेंसी)। खनिज धातु धात विज्ञान और सामग्री अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी और सम्मेलन 2018का 12 वां संस्करण दनिया के इस हिस्से में सबसे बड़ा का उद्घाटन 29 अगस्त 2018 को प्रगति मैदान में इस्पात मंत्री चौधरी बिरेंद्र सिंह इस्पात मंत्री मौजूदा चनीतियों पर भी चर्चा करेंगे। आईटीईआई के निदेशक संजीव बन्ना- ने कहा कि अंतत: 2 वर्षों के इंतजार के बाद यह आपको हमारे साथ साझा करने में हमें बहुत खुशी देता है कि आई टीई आई एमएमएमएम 2018 खनिज धात धात विज्ञान पर सबसे बडा और सबसे प्रतिष्ठित कार्यक्रम का अनावरण प्रगति मैदान नई दिल्ली भारत में 29-31 अगस्त को करेगा। चुकि अमेरिकी सरकार भारत से इस्पात सलाखों पर एंटी डमपिंग कर को बनाए रख रही है लेकिन हाल ही में जापान स्पेत और ब्राजील के लिए उन्हें समाप्त कर रही है एमएमएमएम 2018 व्यापक व्यापार मंच सभी हित धारकों के लिए संपादक वरिष्ट सरकारी अधिकारी निर्णय निर्माताओं और उद्योग के उद्यमियों के परामर्शदाताओं के साथ मिलकर बातचीत और नेटवर्क के लिए एक शानदार अवसर होगा। यह उम्मीद की. जाती है कि एमएमएमएम 2018 12000.

से अधिक व्यापार आगंतक और 1000. विदेशी निवेशकों और दनिया के प्रतिभागियों को गवाह करेगा। मेक इन इंडिया कार्यक्रम के तहत सरकार द्वारा पहचाने जाने वाले लगभग दो दर्जन क्षेत्रों में कम से कम नौ उद्योगों में विनिर्माण की प्रतिस्पर्धात्मकता के लिए इस्पात महत्वपूर्ण है। रीसाइकिलग और लिधियम आयन बैटरी पर एक विशेष सत्र होगा। 15 विधिन्न देशों के 400 से अधिक प्रदर्शक एमएमएमध्मे 2018 में भाग ले रहे हैं। खनिज समृद्ध राज्यों झारखंड पश्चिम बंगाल उडीसा कर्नाटक और गुजरात से राज्य स्तरीय भागीदारी के अलावा देश-स्तर के चीन ऑस्टिया फ्रांस फिनलैंड जर्मनी इटली रूस स्पेन ब्रिटेन और युएसए से की भागीदारी होगी। 7 देशों के व्यापार प्रतिनिधि मंडल निवेश के अवसरों के लिए एमएमएमएम 2018 पर भी जाएंगे। एमएमएमएम 2018 स्टील मंत्रालय खान मंत्रालय पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय विदेश मंत्रालय वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय भारी उद्योग और सार्वजनिक उद्यम मंत्रालय और वैज्ञानिक औद्योगिक अनुसंधान परिषद सी एस आई आर के अलावा सुक्ष्म लघ और मध्यम उद्यम मंत्रालय समर्थित और सह प्रायोजित है।



खनिज धातु पर प्रदर्शनी में जुटेंगी 400 कंपनियां

■ नई दिल्ली (एसएनबी)।

खनिज धातु, धातु विज्ञान और सामग्री अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी और सम्मेलन (एमएमएमएम) के 12वें संस्करण का उद्घाटन वृथवार को किया जाएगा। इस वैश्विक प्रदर्शनी में 15 देशों के 400 से अधिक प्रदर्शक भाग ले रहे हैं।

इंटरनेशनल ट्रेंड एंड एक्जिक्शिन (आईटीईआई) के निदेशक संजीव वजा ने वताया कि प्रगति मैदान में आयोजित इस प्रदर्शनी का उद्घाटन केंद्रीय इस्पात मंत्री चौधरी विरेंद्र सिंह करेंगे। प्रदर्शनी में वैश्विक इस्पात नेता और भारत इस्पात उद्योग के दिगगज मौजूदा चुनौतियों पर चर्चा करेंगे।

उन्होंने वताया कि खनिज समृद्ध राज्यों झारखंड, पश्चिम वंगाल, ओडिशा, कर्नाटक और गुजरात से राज्यस्तरीय भागीदारी के अलावा देश-स्तर के चीन, ऑस्ट्रिया, फ्रांस, फिनलैंड, जर्मनी, इटली, रूस, स्पेन, ब्रिटेन और अमेरिका से भी भागीदारी होगी। सात देशों के व्यापार प्रतिनिधिमंडल निवेश के अवसरों के लिए प्रदर्शनी में आएंगे।

12th MMMM 2018: The 12th edition of Minerals, Metals, Metallurgy & Materials International Exhibition and Conference (MMMM 2018), one of the largest in this part of the world, will be inaugurated by Chaudhary Birender Singh, minister of steel, at Pragati Maidan, New Delhi, on August 29, 2018. The minister of steel will also discuss the current challenges with global leaders and captains of the steel industry in India.

INDIAN STEEL AND METAL INDUSTRY TO SEE A BRIGHT FUTURE

Response.Mumbai @timesgroup.com

ndia is expected to become the second largest steel producer in the world based on its increased capacity and upcoming demand awing to the rising infrastructure construction and the thriving automobile and railways sectors. It is said that the new steel policy that was approved by the Union Cabinet last year is expected to boost India's steel production. India is expected to overtake Japan to become the world's second largest steel producer, and has envisaged achieving 300 MT of annual steel production capacity by 2030.

In order to aid this growth further, the MMMM 2018 and co-located shows are expected to facilitate exchange of new ideas, sharing of information on the latest development in technologies, systems and equipment in the areas of metals, metal working and forming, materials and metallurgy, thus enabling companies in modernization and upgradation of plants and achieve higher efficiency levels. The 12th MMMM



2018 exhibition and conference was inaugurated in the presence of the Union Minister of Steel, government officials, trade bodies and the eminent leaders from steel, metal, manufacturing industry. "With the passage of two important policies - National Steel Policy 2017 and Policy on Preference to Domestically Manufactured Iron &

Steel Products -

by the Govern-

important con-

cems like en-

ment of India.

hancing raw vi material se- t curity, fos- t tering R&D s activities, reducing im- t port dependency

ducing import dependency and promoting fair international trade have come to the fore. And hence, at this juncture, platforms like MMMM provide a timely opportunity for

the stakeholders to further promote their products, technologies and services, and highlight the best way forward to achieve the future growth avenues for the industry, "said Dr Bhaskar Chatterjee, secretary general and executive head of Indian Steel Association. The platform is all set

to showcase latest tech-

nologies and development in the industry. The event covers vast segments such as Automation and Instrumentations, Environment, Geology and Mining related services, Handling and Processing, Gears and Motors. Heat Treatment and Furnaces, Lubricants, Metallurgy Equipment Suppliers, Mineral Development Corporations, Steel Producers, Transportation and Logistics,

एमएमएमएम का 12 वा संस्करण 29 अगस्त से नई दिल्ली। खनिज धातु,धातु विज्ञान और सामग्री अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी और सम्मेलन 2018का 12 वां संस्करण दुनिया के इस हिस्से में सबसे बड़ा का उद्घाटन 29 अगस्त 2018 को प्रगति मैदान में इस्पात मंत्री चौधरी बिरेंद्र सिंह इस्पात मंत्री मौजूदा चुनौतियों पर भी चर्चा करेंगे। आईटीईआई के निदेशक संजीव बत्रा -ने कहा कि अंततः 2 वर्षों के इंतजार के बाद यह आपको हमारे साथ साझा करने में हमें बहुत खुशी देता है कि आई टीई आई एमएमएमएम 2018 खनिज धातु धात् विज्ञान पर सबसे बड़ा और सबसे प्रतिष्ठित कार्यक्रम का अनावरण प्रगति मैदान नईदिल्ली भारत में 29-31

एमएमएमएम का उद्घाटन अगस्त को

अगस्त को करेगा।

जयपुर। खनिज धातु धातु विज्ञान और सामग्री अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी और सम्मेलन (एमएमएमएम) 2018का 12 वां संस्करण दुनिया के इस हिस्से में सबसे बड़ा का उद्घाटन 29 अगस्त 2018 को प्रगति मैदान में इस्पात मंत्री चौधरी बिरंद्र सिंह इस्पात मंत्री मौजूदा चुनौतियों पर भी चर्चा करेंगे। आईटीईआई के निदेशक संजीव बत्रा ने कहा कि अंततः 2 वर्षों के इंतजार के बाद यह आपको हमारे साथ साझा करने में हमें बहुत खुशी देता है कि आई टीई आई एमएमएमएम 2018 खनिज धातु धातु विज्ञान पर सबसे बड़ा और सबसे प्रतिष्ठित कार्यक्रम का अनावरण प्रगति मैदान नईदिल्ली भारत में 29-31 अगस्त को करेगा। हमें आशा है कि सरकार दीर्घ काल्कि स्थायित्व और सकारात्मक पारिस्थित की तंत्र को प्रोत्साहित करने के लिए स्पष्ट नीति शुरू करेगी।

मिक्रमेश महार | Economy | Inhastructure | MMMM-2016 29 से होगा सूह, उटील संस्टर की पुर्नेतियों पर होगी पार्च

MMMM-2018 29 से होगा शुरू, स्टील सेक्टर की चुनौतियों पर होगी चर्चा

मिनरल, मेंटल, मेंटल विज्ञान और मेंटेरिकल्स पर इंटरनेशनल एग्जीबिशन और कन्वेंशन की शुरुआत बुधवार को प्रगति मैंदान में होगी

Money Grance | Affect of Pt | August 20, 2018 21.26 PM ST



नई दिल्ली. किनरल, मैटल, मैटल विद्यान और मैंटीरेस्टर (MMMM) पर इंटरनेष्ठनल एवजीब्रिशन और कन्येशन की शुरुआत बुधवार से प्रगति मैदान में होगी। स्टील क्रिनेस्टर चोंध्यी ब्रिटेंड्र सिंह इस एवजीब्रिशन की शुरुआत करेंगे। इस मौके पर सेक्टर से जुड़ी मौजूदा चुनोतियों पर चर्चा भी की जाएगी।

12 हजार डॉलर से अधिक खापार की संभावना

अईटीईआई के विदेशक संजीव बना ने कहा कि दो साल बाद यह आयोजन किया गया है, जिसमें कई अहम मुद्दूरी पर विचार-विमर्श होगा। स्मासकर सरकार की दीर्पकालिक नीतियों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। इसमें सभी स्टेंक होल्डर्स शामिल होंगे, जो अपनी अपनी बात स्टॉरंगे। बना ने कहा कि उम्मीद है कि इस पृथ्वीबिशन में 12 हजार डॉलर से अधिक का व्यापार होगा, जबकि 1000 से अधिक विदेशी निवेशक इस पृथ्वीबिशन में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि मेक इन इंडिया कार्यक्रम के तरहा जिन 18 मैन्युफेकचरिंग सेक्टर की पहचान की गई है, उनमें से लगभग 9 सेक्टर में स्टील की श्रमिका है, इसलिए सरकार को स्टील सेक्टर पर विशेष फोकस करना चाहिए।

15 देशों के प्रतिनिधि होंगे शामिल

15 विक्रिन्न देखों के 400 से अधिक कंपनियां MMMM-2018 में भाग ले रहे हैं। खनिज समृद्ध राज्यों झारखंड पश्चिम बंगाल उड़ीसा कर्नटक और गुजरात से राज्य स्तरीय भागीदारी के अलावा देख-स्तर के चीन, अस्ट्रिया, फ्रांस, फिनलैंड, जर्मनी, इटली, रूस, रपेन, ब्रिटेन और यूप्सए से की भागीदारी होगी। 7 देखों के व्यापार प्रतिनिधि मंडल नियेश के अवसरों के लिए MMMM-2018 पर भी आएंगे।

भारत में इस्पात और मेटल इंडस्ट्री का भविष्य सुनहरा है और आने वाले कल में देश के दूसरे सबसे बड़े इस्पात उत्पादक बनने की उम्मीद है

का उज्ज्वल भविष्य

ही अप्रेसकत कम पूर्व गर्वास एतेल क्यान रोने के बारण गा। विकास को संभावको काकार है।

इस संब में भारत के जान्द ही जायन से अंगे निकलने की इम्मीद है। इस तरह से भारत आने वाले बाल में विश्व का दूसरा सबसे बड़ा इत्यान उत्पादक देश वन जाएय और इस बड़ के कावम लगार का रहे हैं कि 2030 तक 300 विशिवन व्यक्तिक रतील उत्पादन क्षमता हासिल करने के लक्ष्य की जो। हम बद

एवर्बएवर्व २०१८ और इसके को-लेकिटेड इपेट में नर विचारों को आदन-प्रदान करने की मुविधा, धातु और पातु कार्य य इसके निर्माण, मधीनरी इंडास्ट्री और इससे जुड़े नवीन उपकरणी पर नहीन जानकारी प्रधान की जारगी। पर्श पर इस बात पर भी विस्तार से पार्च होगी कि किसे अपनियों को और निस्तार जा गमता है, तकि में अभूनिश्चेषतम के ताम हो अपने प्लान्ट मो अपोद भर सके और इस क्षेत्र में एव्य दक्षण के नत की हासिल

12 में रामरामरामा 2018 प्रकारि और समीतन में रमचातन और उपकाश, पर्यवाश, पृतिञ्चन और खनन संबंधित

आज के मुख्य अंश-विशेष नेटवर्किंग प्राप्राम

- * 'ओपन्त' वर्ष प्रत्योगित केलते के एएकेए के साध्या से
- मेटल प्रोसेसिंग प्रेंडस्ट्रीज में नए म्वानक स्थापित करना " नां अति- विकिन्ट रूप से निर्मित रेटल सेल्युलन के
- जीता एउलस कोच्को से जीवण को आकार देना " 'वापर शांतिकान के लिए लिपर चेंटर्स- प्रथर किन्छ इंडिया के द्वारा एलकीन (ELECON) सन्द्रत का

भिष्य में बहुते बार के काल इस केम में पहल अपने 'संसातों, विज्ञान और प्रसासकल, नियां और मोटरों, विट ट्रेटमेंट और फरेंस, अपना कर विकास कर रहा है। ऐसे में कहा वा सकता है. स्वृत्योक्ट, यातु विज्ञान उपकरण अमृतिकारों, खनिव विकास किया, प्रतिका निर्माण कि पहल के दुनिया के दूसरे समस्ये मेंटे हमान इत्यादक. प्रदानों, तनि फरेसर प्रदास, देशिन विकास को सीटी, हमान कामें की उम्मीद है। खास कर पर है कि नई इस्कार मेरी, जिसे - उपकटक, परिवाल और रास्ट, इंपलपर्मर और वाहकेटर ही-कॉमें मार्बेन और उपस्थेण वर्ष 2017 में केरीय महिन्देहर में अनुवेदित किया है. इसके थीं आपदीवां जैसे संपर्वेद स्वतित्त हैं। बेदीय इताल मेरी, पापवारी अधिवारी, पापवार भारत के इस्कार उत्पादन को बहाबा देने की उस्मेद हैं। भारत जिकाब व इस्कार, वहर, विजिन्नेन उद्योग से जुड़े प्रतिष्टत गीठनों की उसीन्पर्टत गीठनों की उसीन्पर्टत गीठनों की एकएकएकए 2018 को वेंद्र ओपॉनर हुई। यह चिरियत रूप से उद्योग में नवीनतम् क्षेत्र में संबंधनाओं को विस्तार दिया जा मकता है। इसके चारते - बीचोपिकाचे और इसके विकास को प्रदर्शित करने में सक्षम है। आज वहां होने वाले कुरवादी दांचे के निर्माण, अधियोजहान और रेलवे के केमें ने अग्वेंक्रम का सम्मान विशेष सात्र के साथ किया जाएया, विसानी अध्यक्तता विगय देव सर्वा, प्रस्थात राज्य भंजे, भारत सरकार करेंगे।

> 🌃 इस्पन मंत्रालय, भारत सरकार ने दो अक्षम नीतियें को परित किया है। 'बच्होब इत्यान मेरि 2017' और 'बरेल् स्थ्य से मिरीन आयान और स्टील उत्पद्धे के लिए करियत चीलें से बाले माल बी सुरक्षा में पृद्धि के साथ ही रिकर्प ऐंड हिमेलामेंट को बहुन्य विलेश। रामानाप्यान जैसे पोड़कार्ग रितपारकों के लिए अपने रापायों, प्रीदोनिकारों और सेवाओं को अने बढाने के लिए अवसर प्रदान करने हैं। यही नहीं, ऐसे हवेट उद्योग के लिए चीएन के विकास के न्यारों को शामिल करने के लिए प्रश्वात उरोवा भी उजार करते हैं।

डॉ. भारकर कटकी, इंडियन स्टील असोसिएशन के महासाँचय और



Get Best Pre- Owned Machinery from 18 Countries

धातु विज्ञान की प्रदर्शनी में देसी के साथ पहुंचेंगी 15 देशों की ४०० कंपनियां, ७ देशों का प्रतिनिधिमंडल 29 को इठला सेवी करेने करिया, पानु प्रोज़ान पर अन्तर्विका प्राटकंकी वस अनुवादन

per eif that die fer with. of the party and er beete deute met e at 1888 finden

community want basel as A FROM STATE SE SERVICE मेर अर्थ्य हार नेक्ट्र अर्थ. most on, who lake als author. क्षेत्र १६ तेली के अंतर में अधिक कार्यान्य offers were no near the cost

पूर्व स्टब्बरा में असित होते

Minus Des arrell OF MARKET RESIDEN MARKEY ALAS

M179 NAME OF settre:

RESERVED THE PROPERTY OF THE PARTY OF THE PA or are not have been supported in side and sales recivise NOT THE RIGHT WAS PRICED TO STORE THE PRICED BY Disk more base with

to produce to find the state of the THE PERSON NAMED IN COLUMN main the way in cap 2005 for O SORIOR IS & INCOME. NAME OF PERSONS ASSESSED. Surposition in conclusion the reprint DOCUMENT MINESTER eartine ment biddiffe. #1 TOTAL IN SECURITION IN upon midt ft beg für subtree size such licensis in

chiga janturbung

RECOMMENDUSTRIES

Bright Future of Indian Steel and Metal Industry



खनिज व धातु एक्सपो शुरू

इसमें देश-विदेश की

500 कंपनियां शामिल

इस्पात मंत्री वीरेन्द्र

सिंह ने किया उदघाटन

नई दिल्ली (एसएनबी)।

केंद्रीय इस्पात मंत्री ची. वीरेन्द्र सिंह ने वचवार

को यहां खनिज धात. धात अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी और सम्मेलन (एमएमएमएम) के 12वें संस्करण का उदघाटन किय। इसमें 16 देशों की 500 कंपनियां भाग ले रही हैं।

इस प्रदर्शनी में खनन एवं चातु उद्योग से ज़ड़े तए उत्पाद, प्रौद्योगिकी, मशीनरी आदि का एक साथ प्रदर्शन किया जा रहा है। मेले

का आयोजक संस्था इंटरनेशनल टेड एंड एक्जिवजन के निदेशक संजीव वजा ने वताया कि यह प्रदर्शनी धात एवं खनन उद्योग की ग्रोध

> को रफ्तार देने में मददगार सावित होगी। फिलहाल इस उद्योग का देश की जीडीपी में 4.5 फीसद का योगटान है। आने वाले दिनों में इसमें भारी

संभावनाएं दिख रही हैं। इससे पूर्व प्रदर्शनी में सीईओ कांफ्रेंस का आयोजन किया गया जिसमें वैश्विक इस्पात उद्योग के दिग्गज मौजुदा चनौतियों पर चर्चा की गई।

एमएमएमएम का उद्घाटन 29 को

(एमएमएमएम) 2018का 12 वां संस्करण दनिया के इस हिस्से में सबसे बड़ा का उदघाटन 29 अगस्त 2018 को प्रगति मैदान में इस्पात मंत्री चौधरी बिरेंद्र सिंह इस्पात मंत्री मौजूदा चुनौतियों पर भी चर्चा करेंगे। आईटीईआई के निदेशक संजीव बन्ना - ने कहा कि अंततः 2 वर्षों के इंतजार के बाद यह आपको हमारे साथ साझा करने में हमें बहुत खुशी देता है कि आई टीई आई एमएमएमएम 2018 खनिज धातु धातु विज्ञान पर सबसे बड़ा और सबसे प्रतिष्ठित कार्यक्रम का अनावरण प्रगति सैदान नईदिल्ली भारत में

जयपुर। खनिल धातु धातु 29-31 अगस्त को करेगा। हमें आशा है कि सरकार टीई कालिक स्थायित्व और सकारात्मक पारिस्थित की तंत्र को प्रोत्साहित करने के लिए स्पष्ट नीति शरू करेगी। चॅकि अमेरिकी सरकार भारत से इस्पात सलाखों पर एंटी डम्पिंग कर को बनए खब स्ही है लेकिन हाल ही में जापान स्पेन और ब्राजील के लिए उन्हें समाप्त कर रही है एमएमएमएम 2018 व्यापक व्यापार मंच सभी हित धारकों के लिए संपादक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी निर्णय निर्माताओं और उद्योग के ड्यिनयों के परामर्शदाताओं के साथ मिलकर बातचीत और नेटवर्क के लिए एक शानदार अवसर होगा।

दैनिक सवेरा





Names, 22 serves carolina भूगोर रहेकते ने बंबोदीना स भीत कार्यका करेंद्री को seconds of pages her from the wallets na andre & die Standbrill in over in Stat work of named in Parella selt week admitted it with from it from the way no the shall set one who wish the

orders below whereh ted. Departury on most second for mount if firm \$ facular overlagher little in organ lager for the first firm over a call it and a contract of contract of contract of contract overlagher for foresteel on over about

cather figure or movies what क्या अन्यति ३५ वर्ग में भीई सरस्ती क्रिके वर्जी दिन्हें यह च प्रस्ता pressurement amount wild surface? चर्ची की की तो तमका उत्तरप्रकार के विकास देनों का विकास विकास र्श्वाद्रिक्ति के शंकातक प्राप्ती का अपने की विकास तीने विकास कृत कर के दल्के विकास तीने स्थापन का प्राप्तान at 6th year and it after peer object, store species

सुवना दिलीप जावलकर ने किया सुवना निदेशालय का निरीक्षण

cocole) - oran ques fichs messas à sinne al que Delivers on Debury Street रहीताव सूचक ने राजी कटानी तह रिक्तिक करते के बार जिटेस तिह the constraint on the expert that I will begin me photocols of the

ाताको में कल्कूरर जाति राजां के स्तरिक पूर्वक में उसीत दिए कि सब में अस्तरपुर्व के संबंधित विकास को रेक्स कृति पर समझा

and floorer on advisor as all open spectres of least enables one less, rathe street, frequell. From the conflictment on before gray 40 months) all set are an area make we said on little for the webse & coulded wedness a most for प्रभाव की प्रश्नाति को वहंग तह का तह का तह का तह के तह तह कि के का तह का तह के तह तह कि के तह क

पीएम आवास कुन was suit and of small and former, 22 series (profes क्या उन्होंने कहाने का निर्माण करते हैं किया की तीनकार पूर्व का जिसे दिया किया की की किया का उसके के का कर्म की अपने का प्रकार की का करते की किया करते का क्या करते की ताल reflect pressil its delive type

such serve server in frames rently the wider in some

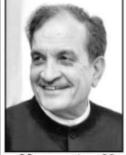
डस्पात मंत्री चौधरी बिरेंद्र सिंह एम.एम.एम.एम. २०१८ का उद्घाटन करेंगे

of Book, an area control barrier. Before that to pass it refers before the passing and an area and

पानु विकास और करावी अवस्थित प्रतिके प्रतिके स्थानिक स्थानिक राज्यात स्थानिक उठाउँ में क्या है जो स्थानिक स्थानिक (प्रकारकार्य) 3016 सर 12 स्थ प्रशासका पुरिच के पूर्ण दिना में 12 के 18 के 1

में क्षेत्र व्यूता स्कृति चेता है कि अन्तरिति अर्था कार्यक्रमाहरूम प्रकृतिम त्या विकास कर कार्यों माहर

এমএমএমএম ২০১৮-এর উদ্বোধনে ইস্পাত মন্ত্রী চৌধুরি বীরেন্দ্র সিং



নয়াদিল্লি. ২৯ আগস্ট : দিল্লির প্রগতি ময়দানে ১২তম মিনারেল, মেটাল, মেটারলঞ্জি এবং মেটেরিয়ালস ইন্টারন্যাশনাল একজিবিশন আভি কনফারেন্সের উদ্বোধন করলেন কেন্দ্রীয় ইম্পাত মন্ত্রী টোধুরি বীরেন্দ্র সিং।ভারত এবং বিশ্বের ইম্পাত শিল্পের সঙ্গে যক্ত উদ্যোগপতিরা এই কনফারেন্সে উপস্থিত ছিলেন। মূলত ভারতের ইস্পাত শিল্পের সঙ্গে বিশ্বের ইস্পাত শিল্পের কোথায় কোথায় চ্যালেঞ্জ রয়েছে, সেগুলি নিয়ে আলোচনা হয় এই কনফারেন্সে। এ বিষয়ে আইটিইআই-এর কর্তা সঞ্জীব বাত্রা জানান, আগামী ৩১ আগস্ট পর্যন্ত এই কনফারেন্স চলবে। এই কনফারেন্স এবং প্রদর্শনীর মূল বিষয় হল দেশেরইস্পাত শিল্পের সুসংহত বিকাশ ও উল্লয়ন। পাশাপাশি বাস্তুতন্ত্রের সঙ্গে ইম্পাত শিল্পের সামগুসাপূর্ণ সহাবস্থান ঘটানোই কেন্দ্রীয় সরকারের যেবার্তা রয়েছে. সেগুলি তুলে ধরা। আমেরিকা ভারতের ইম্পাতের উপর কর ধার্য করেছে। যদিও জাপান, স্পেন, ব্রজিলকে তা দিতে হয় না।

এমএমএমএমের

নিজম্ব প্রতিবেদন: ২৯ অগস্ট দিল্লির প্রগতি ময়দানে "১২তম মিনারেলস, মেটালস, মেটালারজি আভে 2024-00 মেটেরিয়ালস আন্তর্জাতিক প্রদর্শনী ও আলোচনা সভা শুকু হতে চলেছে। এই অনুষ্ঠানের উদ্বোধন করবেন কেন্দ্রীয় ইস্পাতমন্ত্রী চৌধরি বীরেন্দ্র সিং। ভারত ও বিশ্বের ইস্পাতশিল্পের সঞ্চে যক্ত উদ্যোগপতিদের সঙ্গে ইস্পাত শিল্প ও তার সমস্যা নিয়ে আলোচনা করবেন তিনি।

এই প্রসঙ্গে অহিটিইআইয়ের ভিরেক্টর সঞ্জীব বাত্রা বলেন, ২০১৮-এর ,ব্রসভারতার আয়োজন করছে আইটিইআই দিলির প্রগতি ময়দানে ২৯-৩১ আগস্ট পর্যন্ত চলবে বিভিন্ন ধণিজ পদার্থ, ধাতুর মতো জিনিসের প্রদর্শনী। অনুমান করা হঞে বাণিজ্ঞাক সম্মেলনে বিশ্বের বিভিন্ন প্রান্ত থেকে ১২ হাজারের বেশি ব্যবসায়ী ও এক হাজারের বেশি

भावनों को रेस्प्रांकार पुरानों तातु को गीना कर हे अवने अपने | को महाना होने के तान पितान

अव्यक्तिकार और को श्रामाण का मुकान रिमा है। अमेरे तम परिचल में अमारे जाता, रातिना असेर अमारा को बातों पुर्वालों को दुन्ति में सहस्वपूर्ध करा है। एकदानों के अमारे सेवान में बाता मुखानत

of oliv use Man over an Affair oliv Republic

the second communities again of mellion

कर के कई अन्यादा अंगरे ने बद्धा कि अन्य

of which it did no freel usy fleesplants.

the district of many fragett and

বিনিয়োগকারী অংশগুহণ করবেন। টাটা ইস্পাত লিমিটোডের সিইও ও ম্যানেজিং ডিরেইর টিভি নরেন্দ্রন প্রামান, কয়েক বছরে দেশের আর্থিক উন্নতিতে খনিজ ও ধাতৃ নির্ভর শিয়তলো অগুণী ভূমিকা পালন করছে। দেশের আভ্যন্তরীণ গড় উৎপাদনের ৪.৫ শতাংশ ভড়ে রয়েছে ইস্পাত। ভ্রাতীয় ইস্পাত নীতিতে ২০৩০ সালের মধ্যে প্রতি বছর ৩০০ মিলিয়ন টন উৎপাদন করার কথা বলা হয়েছে। ফলে ইস্পাত উৎপাদনের পরিমাণ আরও

इस्पात मंत्री करेंगे खनिज, धात विज्ञान प्रदर्शनी का उद्घाटन

नई दिल्ली। इस्पात मंत्री चौधरी बीरेन्द्र सिंह खनिज, धात, धातु विज्ञान और सामग्री (एमएमएमएम) पर गुजधानी में आयोजित तीन दिवसरीय अंतराष्ट्रीय प्रदर्शनी का 29 अगस्त को उदघाटन करेंगे। इंटरनेशनल ट्रेड एक्जविशन इंडिया (आईटीईआई) और मिनिरल्स, मेटल्स, मेटलर्जी मैटीरियल्स एक्सपो.काम (एमएमएमएमत) आयोजित इस औद्योगिक प्रदर्शनी एवं सम्मेलन के 12वें संस्करण में देश विदेश की कंपनियां और नीति निर्माता शामिल होंगे। राष्ट्रीय राजधानी के प्रगति मैदान में 29-31 अगस्त को आयोजित इस प्रदर्शनी में चीन. आस्ट्रिया, फ्रांस, फिनलैंड, जर्मनी, इटली, रूस, रनन ब्रिटेन और अमेरिका समेत 15 देशों के 400 से अधिव कंपनियां शामिल होंगी।

इस्पात मंत्री करेंगे विज्ञान प्रदर्शनी का उद्घाटन

नई दिल्ली। इस्पात मंत्री चौघरी बीरेन्द्र सिंह खनिज, धातु, धातु विज्ञान और सामग्री पर राजधानी में आयोजित तीन दिवसरीय अंतराष्ट्रीय प्रदर्शनी का 29 अगस्त को उद्घाटन करेंगे। इंटरनेशनल ट्रेड एवजबिशन इंडिया (आईटीईआई) और मिनिरल्स, मेटल्स, मेटलर्जी मेटीरियल्स एक्सपी काम (एमएमएमएमत) द्वारा आयोजित इस औद्योगिक प्रदर्शनी एवं सम्मेलन के 12वें



संस्करण में देश विदेश की कंपनियां और नीति निर्माता शामिल होंगे। इस प्रदर्शनी का आयोजन इस्पात मंत्रालय के साथ, खान, पृथ्वी विज्ञान, विदेश मंत्रालय, वाणिजय एवं उद्योग, भारी उद्योग एवं लोक उपक्रम तथा सक्ष्म, लघु एव मझोले उद्यम मंत्रालय के अलावा वैज्ञानिक एवं अनुसंबान

२०५৮-अङ्ग ज्यादनावना जलाय परिषद के सहयोग से किया जा रहा है। आयोजन की विज्ञति के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी के प्रगति मैदान में 29 -31 अगस्त को आयोजित इस प्रदर्शनी में चीन, आस्टिया, फास, फिनलैंड शहरवर्षा, व्याममानित्र ७९५३ निर्वत्र जर्मनी इटली रूस खेन ब्रिटेन और अमेरिका समेत 15 देशों के 400 से अधिक क्यानियां ना-कड़ा ७ चण्ड व्याङ्कॉण्डि शामिल होंगी। इसके अलावा खनिज संसाधन से समृद्ध झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिस्न -वानित्सात भटन विषय् करणा निर्दे कर्नाटक तथा गुजरात जैसे राज्यों की भी इसमें भागीदारी होगी। प्रदर्शनी में सात देशों 🕸 ज्याप प्रतिनिवयंडल निवेश अवसर तलाशने के लिये प्रदर्शनी में शामिल होंगे।

धातु सामग्री की रीसाइविलंग के लिए विषेष जोन बनाने का सुझाव कार्य मान की बीमने तो कन्यको कु सी है. स्थान

करने लगमे ३० साल

were it fourthern any name as arrows in रिया पार मई कुली प्रदेशन ही पारता है।" अपी ने कता कि प्रांत में अविका और चीम की ताड़ Conglishin gazgill in first, Turks and it regall Constants and restanting that the safety of the कार के प्रथम कराई के किए अस्ति के विकास में राजवानिकार प्रवास को को वसून्य रिकारी में वार्तमान

खनिज पर 12वीं अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी का समापन

नई दिल्ली: खनिज, धातु, धातु विज्ञान और सामग्री की 12वीं अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी (एमएमएमएम 2018) और सम्मेलन का समापन हो गया, जिसका 12,000 लोगों ने दौरा किया। इसमें 15 देशों की 525 से अधिक कंपनियों और एजेंसियों ने हिस्सा लिया। खनिज के मामले में समृद्ध राज्यों जैसे झारखंड, पश्चिम बंगाल, उडीसा और गजरात के अतिरिक्त चीन, ऑस्ट्रिया, फ्रांस, फिनलैंड, जर्मनी, इटली, रूस, स्पेन, ब्रिटेन और अमेरिका के प्रतिनिधियों ने भी इसमें शिरकत की। आइटीइआइ के निदेशक संजीव बत्रा का कहना है कि एमएमएमएम 2018 में व्यापार खरीदारों ने इस्पात, धातु, कोयले, खनिज, फोर्जिंग के बारे में बातचीत की।

धातु सामग्री की रीसाइक्लिंग के लिए विशेष जोन बनाने का सुझाव

to if you so the forest to the design of the self-resigned to seeks the fiftee of west own and one rate als unless al

mira, unter alle very frages un Orangiarie 1,2 per elle granes, 0,3 ambifier the frenche abrenche me where als be ben une abepartit membrane jura if jar effer fer fin wert bi pub. enter be mit it all erren ma if sud 2.5 we the effetter and I way for many store of all sweets was still \$1 well all which it has at deat way open it as where the workers! describers outre the new Penns Science Species & 40 As Million

would be grift Bereiff unt, mar fu, wu zu alber ichte ab.

ann if therefore may sub-e at it power at allow much (where it accounts it flore can of quit order much) if 20-25, more as seen when the cap are is amount a set man d'e regit man be vote it mitter the fit bles wit provening of मनीका और भीन की तम करों के बाल पूरण और एस का yet on a day at of spall descript rand & lot fair your and and thing your well of warm 27 is first fields with its street, Suntacte wite partit with the first with with other section finit und seifen i wie ft ein i rabit erreit wirdt fie beiter weren ub In concession is to the way and it were seen of come to in formal of designation matter and off, from unerers welles aren of with my ment mitt all effer it enterpri unger frend if antere face von B. rebt in aller all ertent faces sere an the story or some hit go it was it was some it demarked function, will amongs story offe and uppers all mad in more मंत्रकारों के अनुबार कह नहीं के पूर FI WHITE WITE THE MILE OF out of ME 2050 MW THEN WHO of many \$1 period all produces and girl \$1 fred site all protes orang \$1 ofte an time ha return pretunne fin tie ofwellenen felente dienzung mitte fie fe mile von all alleften wur all al. tien jeriffent i ber fatere ju men freine m freit denen i maif fie un nen alle m men gar

धातु सामग्री की रीसाइविलंग के लिए विशेष जोन बने

शाहिती = नई दिल्ली

शानिक और धात क्षेत्र के जानकारी ने देश में पूर्वनी धातुओं की रीसाइक्लिम (पुरानी भात को गीला कर नई सामग्री बनाने) को बढ़ाला देने के लिए विशेष रीसाइक्लिंग जोन की स्थापना का सुझाव दिया है। उन्होंने इसे भविष्य में कच्चे माल, लागत और पर्यावरण को बढ़ती चुनीती की दृष्टि से महत्वपूर्ण बताया है। राजधानी के प्रगति मैदान में धातु, खनिज, सामग्री और भात विज्ञान पर आयोजित तीन दिवसीय अंतवस्टीय प्रदर्शनी एमएमएमएम-2018 में शामिल इन उद्योगों के कई जानकार

एक टन स्टील स्कैप की रीसाइविलंग 1.2 दन लौह अयस्क, ०.७ टन क्वेयला, ०.५ टन चूना पत्थर और 287 लीटर ईंधन तेल बचाती है।

कीमलों में तेजी की देखते थात की तक रेस्सहक्लिंग इकाइयों के लिए रोसाइक्लिंग उद्योग एक करगर विकल्प विशेष रूप से सामग्री वैसाइम्लिंग हो सकता है। प्रदर्शनी की आयोजक जोन स्थापित किए जाने वाशिए। बच इटरनेशनल टेड एंड एकिजविशन्स ने कहा कि एमएमएमएम-18 के इंडिया (आईटीईआई) के वित्त दीगन चर्चा के विषयों में गैसाइकिलंग निदेशक संजीव बना ने भाषा से करा, उद्योग को भी प्रमुख विषयों में जामिल कानो माल की कीमतें नई उंखाइयां स रही है, ऐसे में भारत में रीसाइक्लिंग का हवाला देते हुए कहा कि, एक टन धातु उद्योग की सफलता के लिए एक स्टील स्क्रैप की गैसाइक्लिंग 1.2 टन गई कुंजी साबित हो सकता है। उन्होंने लौह अयस्क, 0.7 टन कोयला, 0.5 कहा कि भारत में अमेरिका और चीन टन चुना पत्थर और 287 लोटर ईंघन लोहा स्क्रैप आयात करती है। उद्योग

किया गया है। बन्ना ने एक अध्ययन

2.3 घन मीटा लेक्स्पल की जरूरत गुरुतने के लिए सालाना करिब साथ कम होती है। पानी की खपत में 40 दो करेड उन लोहे के खैम का आपात प्रतिशत और कार्यनहाई आक्सलहरू किया जाता है। भारत में पैसाइकिनेन उत्पर्जन में भी 58 प्रतिशत कमी होती है। मिजी क्षेत्र की इस्पात विनिर्माता जेएसडब्ल्यू मटील हिंत के उप प्रबंध संरचना और कर्ज मृतिथा की कमें। निदेशक डा विनोद नीवाल ने कहा. भारत में अभी स्टील स्क्रैप की स्थिति नहीं आई है। अभी इस्तेमाल हो खे का इस्पात बनाने वाली सेकेडी इस्पात इकायां भारी मात्रा में गलाने वाला

तेल बचाती है। इसके साथ ही इससे अगत की रपदों के अनुसार भारत में संगठनात्मक अक्षमताओं, प्रात्साहत की विश्वनीत्वी, जर्जर आधारभूट के काण संभावनाओं के अनुका का नहीं पा का है। उन्होंने कहा कि भारत में ग्रेसाइक्लिंग उद्योग को पोल्साहित इस्पात को स्क्रैप करने (भंगार में किया जाए तो यह 2030 तक सकत कलने) में 20-25 साल का समय घरेल उत्पाद में 11 प्रतिशत का लगेगा। देश में स्क्रैप की उपलब्धना योगदान कर सकता है और इस दौरान की कमी के कारण पुरुमा लोश गला 14 लाख करोड़ स्पए की अतिरिका सम्बत् भी हो सकती है। सम गहन होने के करण इस क्षेत्र में रोजागर के

Home is Christhary Simmin Single, Minister of Street, to inaugurate MANNA 2013.

Chaudhary Birender Singh, Minister of Steel, to inaugurate MMMM 2018

Tagged with: 12th edition of minerals | coo & managing director | chaudhary birendar singh | directorfaci economy regulators: harrhand metallurgy & materials informational exhibition metals: mentity of coals and mines immm 2018 odisha sarijeev balira stvi Ly narendran tata steel limited

Will tweet of the Sprip trace what your friends like.

New Certs 27th Aug. 2018

The 12th edition of Minerals, Metals, Metallurgy & Materials Infernational Exhibition and Conference (MMMM 2018). one of the largest in this part of the world shall be inaugurated by Chaudhary Birender Singh, Minister of Steel, all Pregati Maidan on August 29, 2018. Minister of Steel will also discuss the current challenges with Global leaders and captains of India Steel Industry.

More than 400 exhibitors from 15 different countries are participating in MMMM 2018. It shall have country-level participation from China, Austria, France, Finland, Germany, Italy, Russia, Spain, UK & USA besides state-level participation from mineral rich states of Jhankhand, West Bengal, Ortssa, Karnetaka & Gujarat, Trade delegations from 7 countries will visit MMMM 2018 for investment opportunities as well.

MMMM 2018 is supported and co-sponsored by Ministry of Steel, Ministry of Mines, Ministry of Earth Sciences, Ministry of External Affairs; Ministry of Commerce & Industry, Ministry of Heavy Industries and Public Enterprises and Ministry of Micro. Small & Medium Enterprises besides Council of Scientific & Industrial Research (CSIR)

On this note, Mr. Sargeey Batra, Director-ITEI said finally after a walf of 2 long years it gives us immense pleasure to share with you that ITEI will unveil MMMM 2018, the largest and the most prestigious event on Minerals. Metals, Metallurgy & Materials on August 29-31, 2018 at Pragati Mardan , New Delhi, India. We hope that government would initiate clear policy to encourage long term sustainability and positive ecosystem. As the US government is maintaining artidumping duties on steel bars from India but is ending them for Japan, Spain, and Brazil recently, MMMM 2018 comprehensive business platform will be a great opportunity for all stakeholders to meet, interact and network with the entrepreneurs, consultants, editors, senior government officials, decision makers and industry leaders. It is expected that MMWM 2018 will witness more than 12,000+ Trade visitor and 1000+ foreign investors and participants from the globe. Steel is crucial to competitiveness of manufacturing in at least nine industries out of nearly two dozen sectors identified by the Government as focus areas under "Make in India" program. There will be a special session on Recycling and Lithium-ion batteries

Shri T.V Narendran, CEO & Managing Director, Talla Steel Limited said that Over the years, the minerals and metals sector has been a driving force propelling the growth of the Indian economy, with the sector currently contributing to around 4.5 per cent of the national's GGP. This is expected to go up in the years ahead in view of the National Steel policy target of 300 million tonnes per annum by 2030. Stri Narendran said the steel sector has been witnessing a positive growth and this frend will continue with improving economic activities across the world.

Dr. Bhaskar Chatteriee, Secretary General & Executive Head of Indian Steel Association said that with the passage of two important policies by the Ministry of Steel, Government of India, that is "National Steel Policy 2017" and "Policy on Preference to Domestically Manufactured Iron & Steel Products', important concerns like enhancing raw material security, fostering R&D activities, reducing import dependency and promoting fair international trade have come to the fore. At this juncture, platforms like MMMM 2018 provide a timely opportunity for the stakeholders to further promote their products, technologies and services, and highlight the best way forward to achieve the future growth avenues for

Notable speakers at MMMM 2018 shall be CMD/CEO of SAIL JSW Sleet Tata steet. NMDC. NALCO, Midhani. NINL. NIPPON, Indian Oil Paul Wurth, Sino Steel, Indian Steel Alliance, Mecon, Bureau of Indian standard and Hindustan Copper Limited

एमएमएमएम का उदघाटन 29 अगस्त 2018 को

सिटी... 26 अगस्त 2018 ...चनिज बाहु बाहु विद्यान और सानग्री अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी और सामेलन (रमएमरमर्ग) 2018मा 12 वर्ष शंसकरम यूनिया के इस डिक्से में सबसे बदा का उदधाटन 29 अगसा 2018 को प्रपति मैदान में इत्पात मंत्री चीचरी निरंद सिंह इत्पात मंत्री मीजूदा चुनीतियों पर भी चर्चा करेंगे। आईटीईअई के निरोधक संजीव बात - ने कहा कि अंतत 2 वर्षों से इंतजार से बाद यह अपको समारे साथ साधा करने में हमें बहुत खुली देता है कि आई टीई अर्थ एमएमएमएम 2018 खनिज बातु बातु विधान यर सबसे बढ़ा और सबसे प्रतिचित बार्यक्रम का जनायरण प्रगति मैदान मईदिल्ली भारत में 29-31 जगस्त को करेगा। हमें आता है कि सरकार रीचे वातिक स्वाधिता और सकारात्मक परिस्थिति की तंत्र को जेल्लाहित करने के लिए लक्ट नीति शुरू करेगी। युक्ति अमेरिकी सरकार भारत से इस्पाप सलाखों पर एटी इम्पिंग कर को बनाए रख रही है लेकिन हाल ही में जाधान स्पेन और ब्राजील के लिए उन्हें समाख कर तों है एनएमएनएम 2018 व्यापक व्यापन नंत्र तभी हित धारकों के लिए लंबाएक पश्चि सरकारी अधिकारी निर्मात निर्मातको और उद्योग के उद्योगियों के परान्तीदालकों के साथ मिलकर बालबील और नेटवर्क के लिए एक जानचार अपसर होगा। यह जमीट की जाती है कि एनएनएमएम 2018 12000+ से अधिक व्यापार आरंत्क और 1000+ विदेशी निवेशकों और दुनिया के प्रतिशानियों को गयाह करेगा। नेक इन इंडिया कार्यक्रम के तहरू सरकार द्वारा यहचाने जाने वाले सामाग दो वर्जन क्षेत्रों में क्रम से क्रम भी उद्योगी में विनिर्माण की अधिराम्बर्गलकता के लिए इस्पता महत्वपूर्ण है। रीशाङ्गविका और लिकियम आयन मैटरी पर

15 विभिन्त देशों से 400 में अधिक प्रदर्शक एमएनएमएम 2018 में बाग भी रहे हैं। खनिज सनुद्ध राज्यों शारकांड परिचन बंगाल वहींगा कर्नाटक और गुजरात से राज्य स्तरीय नागीवारी के अलात रेक-नतर के चीन ऑहिंट्राय प्रांस फिनलैंड जर्मनी इटली कस स्पेन ब्रिटेन और यूएसए से की चानीदारी होती। र देखें के व्यापार प्रतिनिधि मंदान निवेश के अवनरों से तिए एनएनएनएन 2018 पर भी जाएंगे। एनएनएनएन 2018 स्टील गंबालय खान गंबालय पृथ्वी विद्यान गंबालय विदेश गंबालय वर्णिश्य और उद्योग गंबालय भारी वद्योग और सार्वजनिक व्यान मंत्रालय और वैद्यानिक औद्योगिक अनुसंधान परिषद सी एस आई जार के अलाया सुत्रम जायू और प्रध्यम जदान संजातन्य समर्थित और सहप्रायोजित है।

रीसाइक्लिंग के लिए विषेष जोन का सुझाव का स्थानत देशे हुए कक्ष कि, एक

■ नई दिल्ली (भाषा)।

खनित और शतु श्रेष के जामभागी ने देश में पूछने चतुओं की रीमाइक्लिन (पुरानी क्यू की गल बार नई सामग्री कराने) की नहाज देने के विना विभाग रीनापुर्वितना क्षेत्र को स्टब्ब्स का सुक्रम दिया है। उन्होंने हमें प्रतिका में काले मान् त्यात और पर्याक्ता की बहरी पुनीसे की इस्टि से महत्त्वपूर्ण बाहाय है।

राजावारी के प्राचीत मैदान में पाडू खरिल, रामको और पाडू fear or ambling the fearing ऑडराइन प्रदर्शने गुमान्यसम्ब 2018 में शामिल इन तथीनों के कई जानकार श्रीमों ने कहा कि करवे जाल में तेजी को देखते धार सद्यक्तिल उद्योग एक करात



विकाल के सबस है। इंटर्जी की अल्पेक्स (आईरोईआई) के रोस्त्रप्रिक्तप जोन स्थापित किए निदेशक गांधीय बदा ने कहा, प्राच्ये माल को कीमते नई अवाहमां कु रही हैं। ऐसे में धारत में रीमार्कीनमा भार उद्योग भी प्रयासक के लिए एक नई की माबित हो सकता है।' उन्होंने कहा

कि भारत में अमेरिका और फेन

की पुनीतियों से निपटने के लिए महत्वपूर्ण है विसाहितकार की प्रक्रिया की तरह रीमाइकितन इकाइयें के लिए विलेप रूप से समाधी

अमेरिका और चीन

à françlatin às fru

कारित में विशेष जीन

महंगाई ट पर्वातरात

अपने आहिए (क्या ने कहा कि एमाएमाएमएम-18 में। दौरान चर्चा के विषयों में रोमाइकिएन उद्योग को भी प्रमुख विषयों में शामित किया गया है। बात ने एक अध्यापन हर स्टील ब्रेंड को रासाइकिला 12 स मीर अपान, 0.7 स कोयान, 0.5 टर पूच पासर और 287 शीवर क्रांस तेल बचारी है। इसके साथ ही इससे 2.3 धन मीटर में द्वांपाल की जरूरत फार होती है। निश्ची क्षेत्र की इसकत

विक्रियोग केएसइक्ष्यू स्टील जि. के जब प्रकार निर्देशक विकेद केवाल ने महा, 'प्यात में अने मटोल स्क्रेप को रिकांत नहीं आई है। अभी इस्तेम्पल हो रहे इस्पात को स्क्रैय जारने में 20-25 माल का समय लगेगा।' देश में स्क्रैय की उपालकात की कामी के कारण पराना लोहा याना कर इस्पात करा-वाली सेकेडी इस्पात इकाव्य पारी मात्रा में गरनाने जारना स्टेश्य प्रदेश्य अस्पात फरती है।



NBT ▼ विजनस ET विजनस न्यूज़ शेयर वाजार कमाए-बचाए प्रॉयर्टी इनकम टेक्स कमोडिटीज

नवभारत टाइम्स बिजनस न्यूज



Hindi News > Business > Business News In Hindi > Steel Minister Will Inaugurate Exhibition Organized On Minerals

इस्पात मंत्री करेंगे खनिज, धातु, धातु विज्ञान पर आयोजित प्रदर्शनी का उद्घाटन

वह आर्टिकल एक्सी फीड से ऑले-अवलोड हुआ है। इसे नवभारतराइम्स कॉम की टीम ने एडिट नहीं किया है।

भाषा | Updated Aug 27, 2018, 03:45PM IST







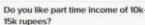














नयी दिल्ली, 27 दिसंबर (भाषा) इस्पात मंत्री चौधरी बीरेन्द्र सिंह खनिज, चातु, चातु विज्ञान और सामग्री (एमएमएमएम) पर राजधानी में आयोजित तीन दिवसरीय अंतराष्ट्रीय प्रदर्शनी का 29 अगस्त को उद्घाटन

इंटरनेशनत टेंड एक्जविशन इंडिया (आईटीईआई) और मिनिरल्स, मैटल्स , मैटलर्जी मैटीरियल्स एक्सपो.काम (एमएमएमएमत) द्वारा आयोजित इस औद्योगिक प्रदर्शनी एवं सम्मेलन के 12वें संस्करण में देश विदेश की

कंपनियों और नीति निर्माता शामिल होंगे। इस प्रदर्शनी का आयोजन इस्पात मंत्रालय के साथ, खान, पृथ्वी विज्ञान, विदेश मंत्रालय, वाणिजय एवं उद्योग, भारी उद्योग एवं लोक उपक्रम तथा मुक्ष्म, लघु एवं मङ्गोले उद्यम मंत्रालय के अलावा वैज्ञानिक एवं अनुसंधान परिषद के सहयोग से किया जा रहा है।

आयोजनकी की आज यहां जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी के प्रगति मैदान में 29 -31 अगस्त को आयोजित इस प्रदर्शनी में चीन, आस्ट्रिया, फ्रांस, फिनलैंड, जर्मनी, इटली, रूस, स्पेन, ब्रिटेन और अमेरिका समेत 15 देशों के 400 से अधिक कंपनियां शामिल होंगी।

इसके जलावा खनिज संसाधन से समृद्ध झारखंड, पश्चिम बंगाल, जोड़िशा, कर्नाटक तथा गुजरात जैसे राज्यों की भी इसमें भागीदारी होगी।इस आयोजन में अमेरिका की प्रशुल्क नीति वर्चा का विशेष विषय हो सकती है। आईटीईआई के निदेशक संजीव बना ने कहा कि अमेरिका जापान, ब्राजील और स्पेन के धात उद्योग के प्रति नरमी दिखा रहा है लेकिन भारत के मामले में कोई नरमी नहीं दिख रही है।

प्रदर्शनी में सहत देशों के व्यापार प्रतिनिधमंडल निवेश अवसर तलाशने के लिये प्रदर्शनी में शामिल होंगे। इस दौरान सरकार के प्रतिनिधि देश और विदेश के इस्पात उद्योगों के प्रमुखों के साथ क्षेत्र के समक्ष मौजूदा चुनौतियों और उससे निपटने के उपायों पर चर्चा करेंगे।

भाषा रमण मनोहर

खनिज धातु पर प्रदर्शनी बुधवार से, 400 कंपनियां जुटेंगी

arth - arth 2 files. IANS | UPDATED: 27.08.18 der de ade

नर्ड दिल्ली, 27 अगस्त (आईएएनएस)। खनिज धात, धात विज्ञान और सामग्री अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी और सम्मेलन (एमएमएमएम) के 12वें संस्करण कर उद्घाटन बुधवार को किया जाएगा। इसमें 15 देशों के 400 से अधिक प्रदर्शक भाग ले रहे हैं। यहां जारी एक बयान के अनुसार, प्रगति मैदान में आयोजित इस प्रदर्शनी का उद्घाटन केंद्रीय इस्पात मंत्री चौधरी बिरेंद्र सिंह करेंगे। प्रदर्शनी में वैश्विक इस्पात नेता और भारत इस्पात उद्योग के दिग्गज मौजुदा चुनौतियाँ पर चर्चा करेंगे।

बयान के अनुसार, खनिज समृद्ध राज्यों झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, कर्नाटक और गुजरात से राज्यस्तरीय भागीदारी के अलावा देश-स्तर के चीन, ऑस्ट्रिया, फ्रांस, फिनलैंड, जर्मनी, इटली, रूपर, स्पेन, ब्रिटेन और अमेरिका से भी भागीदारी होगी। सात देशों के व्यापार प्रतिनिधिमंडल निवेश के अवसरों के लिए प्रदर्शनी में आएंगे।

बयान के अनुसार, एमएमएमएम 2018 इत्यात मंत्रालय, खान मंत्रालय, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारी उद्योग और सार्वजनिक उद्यम मंत्रालय और वैज्ञानिक औद्योगिक अनुसंघान परिषद (सीएसआईआर) के अलावा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के समर्थन से आयोजित किया जा रहा है।

इंटरनेशनल ट्रेड एंड एक्जिकिशन (आईटीईजाई) के निदेशक संजीव बचा ने कहा, हमें आशा है कि सरकार दीर्घकालिक स्थायित्व और सकारात्मक पारिस्थितिक तंत्र को प्रोत्साहित करने के लिए स्पष्ट नीति शुरू करेगी।

टाटा स्टील लिमिटेड के सीईओ और प्रबंध निदेशक टीवी नरेन्द्रन ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में खनिज और धातु क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास को बढ़ावा देने वाली एक चालक शक्ति रही है, और इस क्षेत्र में वर्तमान में राष्ट्रीय सकल परेल उत्पाद का लगभग 4-5 प्रतिशत योगदान है।

नरेन्द्रन ने कहा कि इस्पात क्षेत्र में सकारत्मक बद्धि देखी जा रही है और यह प्रवत्ति परे विश्व में आर्थिक गतिविधियों में सचार के साथ जारी रहेगी।

इंडियन स्टील एसोसिएशन के महासचिव और कार्यकारी प्रमुख डॉ. भारकर चटर्जी ने कहा कि इस्पात मंत्रालय भारत सरकार द्वारा दो महत्वपूर्ण नीतियों के पारित होने के साथ राष्ट्रीय इस्पात नीति 2017 और घरेल रूप से निर्मित आयरन के लिए प्राथमिकता पर नीति और स्टील उत्पाद कच्चे माल की सुरक्षा में बृद्धि अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों को बहावा देने आयात निर्भरता को कम करने और उचित अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देने जैसी महत्वपूर्ण चिताओं को सामने आया है।

ध्करिए 🍩

★ इंडिया राज्य मनोरंजन खेल विश्व ऑटोमोबाइल फैजेट बिजनेस स्वास्थ्य धर्म/ज्योतिष रियल एस्टेट

दम का दम और और केंब अबब गांबब दिवान और लकनीक विचान विका Rhai english news

\$60 kgs / Blacks / \$500 / softwarp is sort grown, was maker gift

खनिज धातु पर प्रदर्शनी बुधवार से, 400 कंपनियां जुटेंगी



MANAGEM I PARSO AND 27 TO STREET WITH THE TAXABLE AND 27 ZOR DESCRIPTION. Ø 17 E

इस प्रदर्शनी में देश-विदेश का कंपनियां हिस्सा लेंगी।

नई दिल्ली। खनिज धात, धात विद्यान और सामग्री अंतरीष्ट्रीय प्रदर्शनी और सम्मेशन (एमएमएमएम) के 12वें संस्करण का उद्घाटन बुधवार को किया जएगा। इसमें 15 देशों के 400 से अधिक प्रदर्शक भाग से रहे हैं। सोमधार को जारी एक बंधान के अनुसार, प्रगति मैदान में आयोजित इस प्रदर्शनी का ज़द्धारन केंद्रीय इस्पात मोर्स चीकरी बिरंड सिंह करेंगे। प्रदर्शनी में वैश्विक इस्पात नेता और भारत इंग्यात उशोग के दिग्गल मीज्हा चुनीतियों पर वर्चा करेंगे। बचान के अनुसार, खनिज समुद्ध राज्यों झारखंड, पविम बंगात. ओडिया, कर्नाटक और गुजरात से राज्यकारीय भागीदारी के अलावा देश-स्तर के चीन, ऑस्ट्रिया, फ्रांस, फिनलेंड, जर्मनी, इटली. करा. स्पेन, ब्रिटेन और अमेरिका से भी भागीदारी लोगी। सात देखीं के स्वापाद प्रतिनिधिनंत्रत निवेश के अवसरों के लिए प्रदर्शनी में अएगेः

ये मंत्रालय आयोजित कर रहे प्रदर्शनी

बचान के अनुसार, एमएमएमएम 2016 इस्पात मंत्रातच, खान मंत्रातच, एवरी विक्रान मंत्रातच, विदेश मंत्रातच, वाणिका और उसोग मंजलच, भारी उत्होंग और सार्वजनिक उद्यम मंजलच और वैज्ञानिक औद्योगिक अनुसंघान चरिषद (सीएसआईआर) के अलावा सक्ष्य, लघु और मध्यम एड्राम मंत्रालय के समर्थन से आयोजित किया जा रहा है। इंटरनेशनल टेड एंड एडिजेबिशन (आईटीईआई) के निदेशक संजीत का ने कहा कि हमें आया है कि सरकार दौर्घकालिक स्थापित और सकाराजक पारिस्थितिक तंत्र को प्रोत्सहित करने के लिए स्पष्ट नीति शरू करेगी।

खनिज और धात क्षेत्र का जीडीधी में 4-5 फीसदी घोगदान

हाटा स्टील लिमिटेंड के सीईओ और प्रबंध निदेशक टीवी नरेन्द्रन ने कहा कि पिछले कहा वर्षों में खनिज और पात क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्थ के विकास को बद्दावा देने वाली एक चालक शकिंठ रही है. और इस क्षेत्र में वर्डमान में राष्ट्रीय सकल परेल उत्पाद का लगभग 4-5 प्रतिवास योगदान है। नरेन्द्रन ने कहा कि इस्पात क्षेत्र में सकारामक वृद्धि देखी जा रही है और यह प्रवृष्टि पूरे विश्व में अर्थिक गतिविधियों में सुधार के साथ जारी रहेगी। इंडियन स्टील एसोसिएयन के महासचिव और कार्यकारी प्रमुख डॉ. आस्कर चटार्जी ने कहा कि इस्पात मंत्रालय भारत सरकार की ओर से दो महत्वपूर्ण नीतियों के पास्त होने के साथ सहीय इस्पात नीति 2017 और घरेल रूप से निर्मित आपरन के लिए प्राथमिकता पर मीति और स्टील उत्पद्ध कन्त्रे माल की सुरक्षा में वृद्धि अनुसंधान एवं विकास परिविधियों को बढ़ावा देने अध्यात निर्मरता को कम करने और उधित अंतर्राष्ट्रीय आधार को बढ़ावा देने जैसी महत्वपूर्ण विंताओं को शामने लेकर आप है।



मनोरंजन साइफ स्टा आपका मोहल्ला अंतरराष्ट्रीय

Home > राष्ट्रीय > प्रगति मैदान में होना एमएमएमएम 2018

प्रगति मैदान में होगा एमएमएमएम 2018

संवाददाता (विल्ली) खनिज धातु धातु विकान और सामग्री अंतर्राष्ट्रीय यदर्शनी और सप्पेतन (एमएमएमएम) २०१३का १३ वां संस्करण दुनिया के इस हिस्से में सबसे बड़ा का ज़द्रपाटम 29 अगस्त 2018 को प्रगति मैदान में इस्पात मंत्री चौधरी बिरेंद्र शिंह इस्पात मंत्री वैश्विक इस्पात मेताओं और भारत इस्थात उद्योग के कप्तानों के साथ मौजूबा चनौतियों पर भी चर्चा करेंगे। 15 विभिन्न देशों के 400 से अधिक प्रदर्शक एमएमएमएम 2018 में भाग से रहे हैं। खनिज समृद्ध राज्यों इवरखंड पश्चिम बंगास उन्हींसा कर्नाटक और गुजरात से राज्य सारीय भागीदारी के अलावा देश-स्तर के चीन ऑस्ट्रिया फ्रांस फिनलैंड अर्थनी इटली रूप स्पेन ब्रिटेन और पूएसए से की भगीदारी लेगी। 7 देखें के व्यापार प्रतिनिधि मंडन निदेश के अवसरों के लिए एमएमएमएम 2018 पर भी जाएंगे। एमएमएमएम 2018 स्टील मंत्रालय खान मंत्रालय पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय विदेश मंत्रालय वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय भारी उद्योग और सार्वजनिक उदाय मंत्रालय और वैज्ञानिक औद्योगिक अनुसंघान परिषद सी पस आई आर के अलवा सुक्षा लघु और मरवम उद्यम मंत्रालय समर्थित और सहप्रयोजित है।

इस नीट पर संजीव बज निर्देशक- अर्हर्टिईअर्ड ने कहा कि अंतर: 2 क्यों के इंतजार के बाद वह अववर्ध हमारे बाप साझा करने में हमें बहत खुणी देता है कि आईटीई आई यमएमएमएम 2018 खनिज धात धात धात विज्ञान पर सबसे बठा और सबसे प्रतिष्ठित कार्यक्रम का अनावरण प्रगति मैदान नईदिल्ली भारत में 29-31 अगस्त को करेगा। हमें आधा है कि सरकार दीर्च कालिक महचित और सकाराज्यक पारिस्थिति की लंड को प्रोत्साहित करने के लिए स्पृप नीति शुरू करेगी। पुंकि अमेरिकी सरकार भारत से इस्पात सलावों पर एटी ठर्मि, पग कर को बनाए रख रही है लेकिन हाल ही में जापान स्पेन और शाजील के लिए उन्हें समान्त कर रही है एमएमएमएम 2018 व्यापक व्यापार मंब सभी हीत चारकों के लिए संपादक प्रश्नि सरकारी अधिकारी निर्काप निर्माताओं और उद्योग के नेताओं उद्यमिएं प्रश्मर्यवालाओं के साथ मिलकर बातचील और नेटवर्क के लिए एक बानदार अकसर होगा। यह उम्मीद वर्षि जाती है कि एमएमएमएम 2018 120005 से अधिक व्यापार आगंतक और 10005 विदेशी निवेचकों और दुनिया के प्रतिभागियों को गवाह करेगा। मेळ इन इंडिया कार्यक्रम के तहत सरकार द्वारा पहचाने वाले तार लगभग दो दर्जन क्षेत्रों में कम से कम नो उद्योगों में विनिर्माण की प्रतिस्पर्धानकता के लिए इस्पात महत्वपूर्ण है। रीसाइकिं्तन और लिपियम आधन बैटरी पर एक विशेष सत्र होगा

टाटा स्टील लिपिटेड के सीईओ और प्रबंध निरोधक टीवी नरेन्द्रन ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में खनिज और पाह क्षेत्र भारतीय अर्थन्यवस्था के विकास को बढ़ावा देने वाली एक सालक शक्ति रही है इस क्षेत्र में वर्तमान में रहाँच सकल घरेल उत्पादका लगभग 4-5 प्रतिशत चीप दान है। 2030 सक प्रतिकर्ष 300 मिलियन एन राष्ट्रीय इस्थान नीति के लक्ष्य को ब्यान में रखते हुए यह वर्षों से अभे बढ़ने की उम्मीद है। श्री नरेन्द्रन ने कहा कि इस्पात क्षेत्र में सकारात्मक वृद्धि देखी जा रही है और यह प्रवृत्ति पूरे विश्व में आर्थिक गतिशिक्षियों में सुधार के साध जारी रहेगी।

इंडियन स्टील एसोसिएसन के महा सचिव और कार्यकारी प्रमुख डॉ भास्कर चटर्जी ने कहा कि इस्पाल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा दो महत्वपूर्ण मीतियों के पारित होने के साथ राष्ट्रीय इस्पात मीति 2017 और प्ररेश रूप से निर्मित आपरन के लिए प्राथमिकता पर मीति और स्टील उत्पाद कांधे माल की सुरक्षा में तुद्धि अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों को बढ़ाका देने आधात निर्भरता को काम करने और उधित अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को बढ़ाका देने जैसी महत्वपूर्ण सिंताओं को सामने आप है। इस समय प्रमूप्यप्रमूप 2018 जैसे प्लेटफॉर्म डितधारकों के लिए अपने उत्पादों प्रीक्षोणिकियाँ और सेकओं को आगे बढ़ाने के लिए एक समय पर अवसर प्रदान करते है



















Tuesday, Sep 4 2018 | Time 14:37 Hrs(IST)

एमएमएमएम का उद्घाटन 29 अगस्त राजधानी में

नयी दिल्ली 27 अगस्त (वार्ता) खनिज, धात विज्ञान और सामग्री अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी और सम्मेलन (एमएमएमएम) का 12 वां संस्करण 24 अगस्त को राजधानी में प्रगति मैदान में शुरू होगा।

इसके आयोजक आईटीईआई ने सोमवार को यहां जारी बयान में कहा कि तीन दिवसीय इस प्रदर्शनी एवं सम्मेलन का इस्पात मंत्री चौधरी बिरेंद्र सिंह उदघाटन करेंगे और इस मौके पर देश विदेश के दिग्गज इस्पात उद्यमी मौजूदा रहेंगे। दो वर्षों के इंतजार के बाद आईटीईआई एमएमएमएम 2018 का आयोजन राजधानी में किया जा रहा है। इसमें एक हजार से अधिक विदेशी प्रतिनिधियों सहित 12 हजार से अधिक प्रतिनिधियों के भाग लेने की संभावना है। 15 विभिन्न देशों के 400 से अधिक प्रदर्शक एमएमएमएम में भाग लेंगे। खनिज समृद्ध राज्यों झारखंड, पश्चिम बंगाल, उडीसा, कर्नाटक और गजरात के राज्यस्तरीय भागीदारी के अलावा चीन, ऑस्टिया, फ्रांस, फिनलैंड, जर्मनी, इटली,

रूस. स्पेन, ब्रिटेन और अमेरिका की कंपनियां भी इसमें भाग लेंगी।

शेखर वार्ता



इलेक्टिक वाहनों के लिये उच्च ग्रेड मैगनीज विकसितक पर विचार कर रही मॉयल PTI / September 01, 2018









नवीं दिल्ली. 29 अगस्त (भाषा) सरकारी कंपनी मॉयल बैटरी के लिये उच्च ग्रेड मैगनीज विकसित करने पर विचार कर रही है। जिसका उपयोग इतेक्टिक वाहनों में किया जा सकता है। इस्पात मंत्री चौधरी बीरेंद्र सिंह ने आज यह बात कही।

संबंधित सबरें

- ूर्टी एंड सी के घटे की भरपाई का तक्य अवास्तविक :पोजना आयोग विवर्ग कर धरपाई के लिए पिल सवारी
- ⁸हे बजट सहापता विस्तार बनाम संवी
- महिलाओं,बच्चों और अरपसंख्याकों को लगात गात तक्षा इस बाब्द में
- , साफटवेंगर पार्क की कर छूट की समय-चीमा नहीं बढने भी संभावना खाद्य कीमर्स के कारण मुझरवरित अब
- "ध्ये खला-निर्देशस

देश की सबसे बड़ी मैगनीज अपस्क उत्पादक मॉयस द्वारा यह अध्ययन ऐसे समय किया जा रहा है जब सरकार वायू प्रदूषण पर अकृश तमाने के लिये आक्रामक तरह से इलेक्टिक वाहनों की बढ़ावा दे रहा है।

सिंह ने आईटीईआई द्वारा आयोजित खनिज एवं धात क्षेत्र पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेतन में यह बात कही।

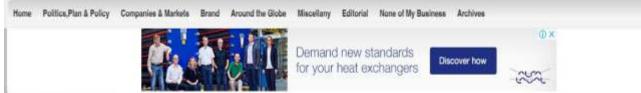
इस्पात मंत्री ने कहा कि हमारा ध्यान भारत की जरूरतों के आधार पर खदेशी तकनीकी और समाधान विकसित करने पर होना चाहिये।

खनिज (एमएमएमएम) 2018का 12 संस्करण दुनिया के इस हिस्से में सबसे बडा का उद्घाटन 29 अगस्त 2018 को प्रगति मैदान में इस्पात मंत्री चौधरी बिरेंद्र सिंह इस्पात मंत्री मौजदा चुनौतियों पर भी चर्चा करेंगे। आईटीईआई के निदेशक संजीव बत्रा ने कहा कि अंततः 2 वर्षों के इंतजार के बाद यह आपको हमारे साथ साझा करने में हमें बहत खशी देता है कि आई टीई आई एमएमएमएम 2018 खनिज धात धात विज्ञान पर सबसे बड़ा और सबसे प्रतिष्ठित कार्यक्रम का अनावरण प्रगति मैदान नईदिल्ली भारत में 29-31 अगस्त को करेगा।

एमएमएमएम का उद्घाटन २९ को

लखनऊ। खनिज धातु बातु विज्ञान और सामग्री अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी और सम्मेलन (एमएमएमएम) 2018 का 12 वां संस्करण दनिया के इस हिस्से में सबसे बडा का उद्घाटन 29 अगाल को प्रगति मैदान में इस्पात मंत्री चौधरी बिरेंद्र सिंह इस्पात मंत्री मौजूदा चुनैतियों पर चर्चा करेंगे। आईटीईआई के निदेशक संजीव बत्रा ने कहा अंतत: 2 वर्षों के इंतज़ार के बाद यह आपकी हमारे साथ साझा करने में हमें बहुत ख़श्री है कि आई टीई आई एमएमएमएम-18 खनिज घातु चातु विज्ञान पर सबसे बाह्य और सबसे प्रतिष्ठित कार्यक्रम का अनावरण प्रगति मैदान नई दिल्ली में 29-31 अगस्त को होगा। आगा है कि सरकार दीर्घ कालिक स्थापित्व और सकारात्मक पार्शिक्यति को तंत्र को प्रोतसहित करने के लिए स्पष्ट नीति शरू करेगी। चिक अमेरिकी सरकार भारत से इस्पात सलाखों पर एंटी डमिंपण कर को बनाए रखी है लेकिन हाल ही में जापान स्पेन और बाजील के लिए उन्हें समाप्त कर रही है एमएपएमएम 2018 व्यापक व्यापार मंच सभी हित धारकों के लिए संपादक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी निर्णय निर्माताओं और उद्योग के उद्यमियों के परामशंदाताओं के साथ फिलकर बातचीत और नेटवर्क के लिए शानदार अवसर होगा।





Home > Companies And Markets

Steel industry hopes govt will bring clear policy to boost ecosystem

By FC Bureau , Tuesday, 28 August 2018

City: New Delhi

The Minister of Steel Chaudhary Birender Singh will hold discussions with global leaders and captains of India steel Industry on the current challenges at the 12th edition of Minerals, Metals, Metallurgy & Materials Infernational Exhibition and Conference (MMMM 2018), one of the largest in this part of the world.

More than 400 exhibitors from 15 different countries are participating in MMMM 2018 which will be inaugurated by the minister of Steel at Pragati Maidan on August 29, 2018.

It shall have country-level participation from China, Austria, France, Finland, Germany, Italy, Russia, Spain, UK & USA besides state-level participation from mineral rich states of Jharkhand, West Bengal, Orissa, Karnataka & Gujarat, Trade delegations from 7 countries will visit MMMM 2018 for investment opportunities as well.

MMMM 2018 is supported and co-sponsored by Ministry of Steel, Ministry of Mines, Ministry of Earth Sciences, Ministry of External Affairs, Ministry of Commerce & Industry; Ministry of Heavy Industries and Public Enterprises and Ministry of Micro, Small & Medium Enterprises besides Council of Scientific & Industrial Research (CSIR)

On this note, Mr. Sanjeev Batra, Director- ITEI said finally after a wait of 2 long years it gives us immense pleasure to share with you that ITEI will unveil MMMM 2016, the largest and the most prestigious event on Minerals, Metals, Metallurgy & Materials on August 29-31, 2018 at Pragati Maidan, New Delhi, India. We hope that government would initiate clear policy to encourage long term sustainability and positive ecosystem. As the US government is maintaining antidumping duties on steel bars from India but is ending them for Japan, Spain, and Brazil recently, MMMM 2018 comprehensive business platform will be a great opportunity for all stakeholders to meet, interact and network with the entrepreneurs, consultants, editors, senior government officials, decision makers and industry leaders. It is expected that MMMM 2018 will witness more than 12,000+ Trade visitor and 1000+ foreign investors and participants from the globe. Steel is crucial to competitiveness of manufacturing in at least nine industries out of nearly two dozen sectors identified by the Government as focus areas under "Make in India" program. There will be a special session on Recycling and Lithium-ion batteries

T.V Narendran, CEO & Managing Director, Tata Steel Limited said that Over the years, the minerals and metals sector has been a driving force propelling the growth of the Indian economy, with the sector currently contributing to around 4.5 per cent of the national's GDP. This is expected to go up in the years ahead in view of the National Steel policy target of 300 million tonnes per annum by 2030. Shri Narendran said the steel sector has been witnessing a positive growth and this trend will continue with improving economic activities across the world.

Dr. Bhaskar Chatterjee, Secretary General & Executive Head of Indian Steel Association said that with the passage of two important policies by the Ministry of Steel, Government of India, that is "National Steel Policy 2017" and "Policy on Preference to Domestically Manufactured Iron & Steel Products", important concerns like enhancing raw material security, fostering R&D activities, reducing import dependency and promoting fair international trade have come to the fore. At this juncture, platforms like MIMMM 2018 provide a timely opportunity for the stakeholders to further promote their products, technologies and services, and highlight the best way forward to achieve the future growth avenues for the industry.

Notable speakers at MMMM 2018 shall be CMD/CEO of SAIL, JSW Steel, Tata steel, NMDC, NALCO, Midhani, NINL, NIPPON, Indian Oil, Paul Wurth, Sino Steel. Indian Steel Alliance, Mecon, Bureau of Indian standard and Hindustan Copper Limited.

Steel industry hopes govt will bring clear policy to boost ecosystem

City: New Deltvi

The Minister of Steel Chaudhary Binender Singh will hold discussions with global leaders and captains of India steel Industry on the current challenges at the 12th edition of Minerals, Metals, Metallurgy & Materials International Exhibition and Conference (MMMM 2018), one of the largest in this part of the world.

More than 400 exhibitors from 15 different countries are participating in MMMM 2018 which will be inaugurated by the minister of Steel at Pragati Maidan on August 29, 2018.

It shall have country-level participation from China, Austria, France, Finland, Germany, Italy.

Russia, Spain, UK & USA biesides state-level participation from mineral rich states of jharkhand,

West Bengal, Orissa, Kamataka & Gujarat. Trade delegations from 7 countries will visit MMMM.

2018 for investment opportunities as well.

MMMM 2018 is supported and co-sponsored by Ministry of Steel; Ministry of Mines; Ministry of Earth Sciences; Ministry of External Affairs; Ministry of Commerce & Industry; Ministry of Heavy Industries and Public Enterprises and Ministry of Micro, Small & Medium Enterprises besides Council of Scientific & Industrial Research (CSIR).

On this note, Mr. Sanjeev Befra, Director- ITEI said finally efter a wait of 2 long years it gives us immense pleasure to share with you that ITEI will unveil MIMMM 2018, the largest and the most prestigious event on Minerals, Metals, Metallurgy & Materials on August 29:31, 2018 at Fragati Maidan , New Delhi, India. We hope that government would initiate clear policy to encourage long term sustainability and positive ecosystem. As the US government is maintaining antidumping duties on steel bars from India but is ending them for Japan, Spein, and Brazil recently, MMMM 2018 comprehensive business platform will be a great opportunity for all stakeholders to meet, interact and network with the entrepreneurs, consultants, editors, senior government officials, decision makers and industry leaders. It is expected that MMMM 2018 will witness more than 12,000× Trade visitor and 1000+ foreign investors and participants from the globe. Steel is crucial to competitiveness of manufacturing in at least nine industries out of nearly two dozen sectors identified by the Government as focus areas under "Make in India" program. There will be a special session on Recycling and Lithium-ion batteries.

T.V. Narendran, CEO & Managing Director, Tata Steel Limited said that Over the years, the minerals and metals sector has been a driving force propelling the growth of the Indian economy, with the sector currently contributing to around 4.5 per cent of the national's GDP. This is expected to go up in the years ahead in view of the National Steel policy target of 300 million tonnes per annum by 2030. Shri Narendran said the steel sector has been witnessing a positive growth and this trend will continue with improving economic activities across the world. Dr. Bhaskar Chatterjee, Secretary General & Executive Head of Indian Steel Association said that with the passage of two important policies by the Ministry of Steel, Government of India, that is "National Steel Policy 2017" and "Policy on Preference to Domestically Manufactured Iron & Steel Products", important concerns like enhancing raw material security, fostering R&D activities, reducing import dependency and promoting fair international trade have come to the fore. At this juncture, platforms like MMMM 2018 provide a timely opportunity for the stakeholders to further promote their products, technologies and services, and highlight the best way forward to achieve the future growth avenues for the Industry.

Notable speakers at MMMM 2018 shall be CMD/CEO of SAIL, JSW Steel, Tata steel, NMDC, NALCO, Midhani, NINL, NIPPON, Indian Oil, Paul Wurth, Sino Steel Indian Steel Alliance, Mecon, Bureau of Indian standard and Hindustan Copper Limited.



Steel industry hopes govt will bring clear policy to boost ecosystem







भूषण स्टील, भूषण एनर्जी के बीच हुये बिजली समझौते पर विचार विमर्श जारी: टाटा स्टील

यह आर्टिकल एजेंसी फीड से ऑटी-अपलोड हुआ है। इसे नवभारतराइम्स कॉम की टीम ने एडिट नहीं किया है।

भाषा | Updated Aug 29, 2018, 06:45PM IST



नयी दिल्ली, 29 अगस्त (भाषा) टाटा स्टील ने आज कहा कि भूषण स्टील और भूषण एनजीं के बीच हुये बिजली खरीद समझौते पर विचार विमर्श जारी है। कर्ज बोझ तले दबी भूषण स्टील का टाटा स्टील ने अधिग्रहण किया है।

टाटा स्टील की ओर से यह बयान ऐसे समय आया जब इस तरह के समाधार आ रहे थे कि लागत कम करने के लिये भूषण स्टील और भूषण एनर्जी के बीच हुये बिजली

खरीद समझौते को टाटा स्टील ने खत्म करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

VIEW MORE

टाटा स्टील के इस्पात कारोबार एवं गुणवत्ता प्रबंधन के अध्यक्ष आनंद सेन ने संवाददाताओं से कहा, "भूषण स्टील का एक अन्य कंपनी भूषण एनजीं लिमिटेड के साथ बिजली खरीद समझ्येता है। फिलहाल इस समय इस पर बातचीत चल रही है और अभी कुछ नहीं हुआ है। इनके बीच हुये अनुबंध को लेकर बातचीत चल रही है।"

उन्होंने यह बात आईटीईआई द्वारा खनिज एवं धातु क्षेत्र पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन से इतर कही।

सेन ने कहा, "कंपनी महसूस कर रही है कि यह अनुबंध आर्थिक रूप से व्यावहारिक नहीं है इसलिये इसकी जांच की जा रही है और भूषण एनर्जी लिमिटेड के मालिकों से दोनों पक्षों के लिये लाभकारी अनुबंध पर चर्चा चल रही है।"

भूषण एनजीं, भूषण स्टील लिमिटेड की अनुषंगी कंपनी है।

जब उनसे पूछा गया कि क्या कंपनी ने बिजली समझौते को रद्द करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है तो इस पर उन्होंने कहा, "मुझे नहीं पता कि बिजली खरीद समझौते को रद्द किया जा रहा है या नहीं, लेकिन इसके अनुबंध पर चर्चा चल रही है।"



टाटा स्टील ने साफ किया किया भूषण एनर्जी के साथ करार पर बात जारी है। कंपनी के प्रेसिडेंट आनंद सेन के मताबिक भूषण एनर्जी के साथ करार रह होने की जानकारी नहीं है। इसके साथ ही आनंद सेन ने थिसेनक्रप जेवी और विस्तार पर भी बात की।

उन्होंने कहा कि थिसेनकूप के साथ जेवी पर काम चल रहा है। कंपनी के कलिंगानगर प्लांट में विस्तार 2021 तक पूरा हो जाएगा। गुरुग्राम प्लांट में स्क्रैप प्लांट अभी शुरू नहीं हुआ है। कंपनी विस्तार योजना पर काम कर रही इसके लिए अधिग्रहण पर नजर बनी हुई है।



Post Details

धातु सामग्री की रीसाइक्लिंग के लिए विषेष जोन बनाने का उद्योग जगत का सुझाव

वह आर्टिकल एमेंसी चीह से ओटी आलीह हुआ है। इसे नक्षभरतराहुम्म क्षीम को टीम में छीट नहीं किया है।

म्हें दिल्ली, ३८ अगस्य (अम्ब) क्षत्रिक और धार क्षेत्र के जनकारों ने देश में प्रशासी वर्तुओं की रीमहर्तिकोर प्रशासी करा को पीता कर नहीं कानते कानते कानते के लिए त्रियंत्र रीमहर्तिकोर और की प्रशास कर युक्ताव दिया है। उन्होंने हुओ

राजधानी के धारीर मैंडल में पातु, व्यक्ति, सामग्री और पातु विकास पर अस्मेरिक तीन शिवतीय अंतारहीय प्रदर्भनी एमएमएमएम २०१० में स्वर्धिक इन उद्योगों के कई अनकार लोगों ने कहा कि कामी मान की कीमारों में लेखी को ऐवाले पातु सिमहरिकोण उद्योग एक करना विकास हो सकत है। प्रदर्शनी की अधीनक इंटरनेसनत ट्रेड एंड एडिंगडिसन्स इंडिया (अईटीईआई) के वित निर्देशका संबंधित कहा ने भाषा से कहा, कार्य सात की कीमी नहीं उत्साहार्य हु नहीं हैं, ऐसे में भाग में विवाह किंग बाह उन्होंना की प्रकलना के लिए एक नहीं कंपी व्यक्ति हो जनता है।

्रमृति कला कि भारत हैं अधिनेका और बीन की तरह हैंसाइविना इकाइयों के लिए विशेष रूप से महावी सेंसाइविना औन सहीपर किए जाने अविका

बता ने कहा कि एसएसएसस्य १६ के दीवन वर्क के विकर्त में रीसहर्तिन उद्धान को भी प्रमुख विकर्त में प्राप्तिक किया गया है। बता ने एक अध्ययन का स्वयन की क्षत्र की है। कहा ने एक अध्ययन की स्वयन की की की प्रस्तिक की रीसहर्तिन १.२ टन तीह आवत्र २.२ टन को पता. 0.5 टम चूना पाल और 257 सीटर हैं।म सेत कवारी है। इसके साथ ही इसके 2.5 पन मीटर सैंडियान की समानत का होती है। पानी की साधन में 40 इतियान और कार्कन सर्दे अपना इस सीटर और कार्कन सर्दे अपना इस सीटर अपना करते. निर्धि क्षेत्र की हाममा विभिन्नीम बेटमाहबल् करीन कि. के २४ प्रबंध निर्देशक हा विभेद्र नेवान ने कहा . भाग में अभी क्षेत्र की स्थित नहीं आदी हुआ आते हुआ ना है रहे हुस्यम की क्षेत्र करने तुमेगम में हानाई में 25-25 बात का समा

देश में कैप की उपलब्ध की कार्य पुनार लोहा गण कर इत्यान बनाने कारी सेकेटी इत्यार इकार्य अभी ताल में गामने वाला लोहा कींच अवस्थ करते हैं। उद्योग अपने की उपर्दी के अनुसार आतन में शामने के लिए सालान करीब सवा हो क्यों ह एन लोड़े के स्क्रिय का आधार किया जारा है।

का ने कहा, ध्वान में टेक्स्ट्रिकेंग संगठनकर अध्यनाओं, प्रोताहन की विकासियों, जाने अध्यनपुर संरक्त और कार्य सुविध की कथा संधानाओं के अनुसार वह नहीं या रहा है। उन्होंने कहा कि ध्वान में विकासियां उद्योग की क्षेत्रमहित किया जाए हो हा १८५५ तक सकत परेचु उत्पन्न में ११ प्रतिका का प्रेमादन कर सकत है और इस दीमन १४ तक करेड़ मध्ये की अधितक बचा भी हो सकती है। अम रहन होने के करण इस द्वार में रोजनात के अवसरों की भी बड़ी र्गभ्यक्त हैं।

मलेका महाकीर

Steel industry hopes govt will bring clear policy to boost ecosystem

in Commodity News @ 29/08/2018



The 12th edition of the Minerals, Metals, Metallurgy & Materials International Exhibition and Conference (MMMM 2018), one of the largest such event in Asia, will be inaugurated by Minister of Steel Chaudhary Birender Singh at New Delhi's Pragati Maidan on Wednesday. The minister will also discuss the current challenges with global leaders and captains of India's steel industry.

More than 400 exhibitors from 15 different countries are participating in MMMM 2018. It will have country-level participation from China, Austria, France, Finland, Germany, Italy, Russia, Spain, the UK and US, besides state-level participation from mineral-rich Jharkhand, West Bengal, Odisha, Karnataka and Gujarat. Trade delegations from 7 countries will visit MMMM 2018 for investment opportunities as well.

MMMM 2018 is supported and co-sponsored by the Union ministries of steel, mines, earth sciences, external affairs, commerce & industry, heavy industries and public enterprises, and micro, small & medium enterprises (MSME), besides the Council of Scientific & Industrial Research (CSIR).

Sanjeev Batra, director, ITEI, said the industry was hoping the government would initiate a clear policy to encourage long-term sustainability and positive ecosystem. As the US government is maintaining anti-dumping duties on steel bars from India but is ending them for Japan, Spain, and Brazil recently, MMMM 2018 will be a great opportunity for all stakeholders to meet, interact and network with entrepreneurs, consultants, editors, senior government officials, decision makers and industry leaders.

Source: Business Standard



By December end, we may become second largest steel producer in world: Chaudhary Birender Singh



ET New | Aug 29, 2010, DC 89 PM IST

Within a short span of time, by following the practice of Indian made steel for government projects, we have been able to save at least Rs 5000 crore. Chaudhary Birender Singh, Steel Minister, tells ET Now.

A+ @ 🖾 🗆

Edited excernts:

What is your overview on how the Indian steel sector is positioned right now and the return pricing power for Indian steel makers?

For about a year, there has been a turnaround. We were facing a lot of crisis about two years back. But now things are on the right track and the way steel industry is moving, I expect that the targets in our national policy of 2017 will be met. We have capacity for 300 million tonnes.

One more thing which is very important is we are making efforts to see that Make in India programme is successful and the equipment which has to be purchased to increase capacities, is available within our country. A lot of global producers, manufacturers of different machines, have showed interest in putting up their industry in India. That way, we would be able to save a lot of foreign exchange.

India has been able to beat Japan and become the third largest steel producer in the world. Now we are seeing a lot of idle capacity being used thanks to NCLT. Do you believe India could in the near future attain the second spot in terms of steel production in the world?

In the first three months of this year, we got the position of second largest steel producer and we hope by the end of this financial year, rather by the end of December 2018, we may attain the position of second largest steel producer in the world.

Imports are back because for the April to June quarter, India became a net importer of steel and that too after many guarters of declining steel imports. Would you be worried because America has put up tariff barriers? Many are saying that steel from Korea and Japan is finding its way to Indian shores. Would you be worried?

We are all aware of this kind of happenings. At present, there is a marginal increase in imports but not to that level where we have to take some steps. We are watching the overall trend in the steel market.

We have seen Indian steel prices rise significantly over the last couple of weeks as iron ore prices have gone up as well. Would you look at the way iron ore major NMDC is pricing iron ore because the smaller steel makers are complaining of higher iron ore prices?

Steel is a deregulated sector. We do not have control over prices but still I have formed a task force to look into this aspect of NMDC raising prices. The report is almost ready. What I could say is in spite of this, there is no regulation or no authority to regulate prices.

Our mandate is very clear but I still think that for secondary steel, there should be some benchmark maybe for six or four months, so that secondary steel should not suffer on frequent fluctuation in prices. Anyway, first I have to look at the report and then we would see what kind of steps can be taken to ensure some periodical smoothness of pricing.

Would you be worried about this global trade war that is brewing between US and China and other countries as getting involved well? We in turn have FTAs with countries like Japan and Korea. Do you believe Indian steel making could get affected on account of this?

As far as America is concerned, our total import from US is 0.31%. But if America still imports 80 million tonne of steel from other countries and the tariff barrier is put there, then naturally those countries will be looking to dump their product. We were very careful on that account but at present there is no such situation where we can go for retaliatory measures.

Has India approached the US for any exemption from that tariff of 25% that has been imposed? Is there any communication with respect to that?

When they imposed these conditions, then commerce ministry did act on that. But we are not the only country, there are so many other countries who wanted that the balance of trade should be maintained and initially some response was also there. But for the time now, there is no such response from America. Let us see what is to be done.

One of the very interesting provisions of the national steel policy was that government project should use only Indian steel and this is a practice followed by a lot of other countries as well. We saw big rail order going to JSPL recently. So, is Indian infra now being built and structured by Indian steel?

Within a short span of time, we have been able to save at least Rs 5000 crore and there can be only two conditions: if somebody domestically is not in a position to give a required amount or a particular grade, then only import is allowed. Otherwise all the government agencies, PSUs and government departments have been told that it should be made clear in the tendering process that only Indian made steel would be given priority.



Minister for Steel to inaugurate Minerals, Metals, Metallurgy & Materials International Conference

By Rakhi Mazumdar, ET Bureau | Aug 27, 2018, 04.52 PM IST















Minister for Steel, Chaudhary Birender Singh is set to inaugurate the 12th edition of Minerals, Metalls, Metallurgy & Materials International Exhibition and Conference (MMMM 2018) at Pragati Maidan on August 29, 2018. At the meet, a leading biennial international event for industry professionals, he is poised to discuss current challenges faced the industry with global leaders and captains of the domestic steel Industry.

Platforms like MMMM 2018 provide a timely opportunity for stakeholders to promote their products, technologies and services, Bhaskar Chatterjee, Secretary General, Indian Steel Association said. This is particularly true at a time when passage of two important policies by the steel ministry — National Steel Policy 2017 and Policy on Preference to Domestically Manufactured Iron & Steel Products — have brought to the fore concerns like, enhancing raw material security, fostering R&D activities, reducing import dependency and promoting fair international trade.

T V Narendran Tata Steel NSE-0.77% CEO said the steel sector has been witnessing a positive growth and this trend will continue with improving economic activities across the world. While minerals and metals sector currently contribute around 4.5% of GDP, this is expected to go up in the years ahead in view of the National Steel policy target of achieving a production of 300 million tonne per annum by 2030, he added.

"We hope that the government would initiate clear policy to encourage long term sustainability and positive ecosystem. With the US government maintaining anti-dumping duties on steel bars from India but scrapping it for Japan, Spain, and Brazil recently, MMMM 2018 will offer a good opportunity for all stakeholders to meet, interact and network with entrepreneurs, consultants, editors, senior government officials, decision makers and industry leaders," Sanjeev Batra, Director- ITEI said. There will be a special session on Recycling and Lithium-ion batteries at the meet, which is likely to receive over 12,000 trade visitors and over 1,000 foreign investors and participants from across the globe.



HOME भारत - ख़बरें - राज्य - प्रमुख ग्रंडल - टेक्नोडॉजी - शिक्षा - अन्तर्राष्ट्रीय - स

Home / wall / wolfer / with they it also proposes your

mediane

प्रगति मैदान में होगा एमएमएमएम 2018

खिनन धातु धातु विज्ञान और सामग्री अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी और सम्मेतन (एमएमएमएम) 2018का 12 वां संस्करण दुनिया के इस हिस्से में सबसे बढ़ा का उद्घाटन 29 अगस्त 2018 को प्राण्ति मैदान में इस्पात मंत्री चौधरी बिरेड सिंह इस्पात मंत्री वैश्विक इस्पात नेताओं और भारत इस्पात उद्योग के कप्तानों के साथ मौजूदा चुनीतियों पर भी चर्चा करेंगे।

15 विभिन्न देशों के 400 से अधिक प्रदर्शक एमएमएमएम 2018 में भाग ते रहे हैं। खनिज समृद्ध राज्यों झारखंश पश्चिम बंगात उड़ीसा कर्नाटक और गुजरात से राज्य सारीय भागीदारी के अलावा देश-स्तर के चीन ऑस्ट्रिया फ्रांस किनतेंश जर्मनी इटली रूस स्पेन ब्रिटेन और यूएसए से की भागीदारी होगी।

7 देशों को व्यापार प्रतिनिधि मंजल निवेश के अवसरों के लिए एमएमएमएम 2018 पर भी जाएंगे। एमएमएमएम 2018 स्टील मंजलम खान मंजालम पृथ्वी विद्यान मंजालम विदेश मंजालम वाणिज्य और उद्योग मंजालम भारी उद्योग और सार्वजनिक उद्यम मंजालम और वैद्यानिक औद्योगिक अनुसंधान परिषद सी एस आई अर के अलावा सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यम मंजलम समर्थित और सहप्रपोजिता है।

इस नोट पर संजीव बता निर्देशक- आईटीईआई ने कहा कि अंतरा। 2 वर्षों के इंतजार के बाद यह आपको हमारे साथ साझा करने में हमें बहुत खुशी देता है कि आईटीई आई एमएमएमएम 2018 खनिज धातु धातु विकान पर सबसे बड़ा और सबसे प्रतिष्ठित कार्यक्रम का अनावरण प्रणीति मैदान नईदिल्ली भारत में 29-31 अगस्त को करेगा। हमें आया है कि सरकार दीर्घ कालिक स्थापित्व और सकारात्मक पारिस्थिति को तंत्र को फ्रोलाहित करने के तिए स्पष्ट नीति शुरू करेगी।

चुंकि अमेरिकी सरकार भारत से इसका सलाखों पर ऐटी ठिमिं पण कर को बनाए रख रही है लेकिन हाल ही में जाणान स्पेन और बाबील के लिए उन्हें समाप्त कर रही है एमएमएसएम 2018 व्यापक व्यापार मंच सभी हित धरकों के लिए संपादक विश्व सरकारी अधिकारी निर्णय निर्माताओं और उद्धोग के नेताओं उद्यमियों परामर्श्वदालओं के साथ मितकर बालचीत और नेटवर्क के लिए एक भागदार अवसर होगा।

पह जमीद की जाती है कि एमएमएमएम 2018 12000\$ से अधिक व्यापार आगंतुक और 1000\$ विदेशी निवेशकों और दुनिया के प्रतिभागियों को गवाह करेगा। मेक इन इंडिया कार्यक्रम के तहत सरकार द्वारा पहचाने वाने वाले लगभग दो दर्जन क्षेत्रों में कम से कम नी उद्योगों में विनिर्माण की प्रतिस्पर्यात्मकता के लिए इस्थात महत्वपूर्ण है। रीसाइकिंृतम और लिध्यम आयन बैटरी पर एक विशेष सत्र होगा

C-1632027

टाटा स्टीत लिमिटेट के सीईओ और प्रबंध निदेशक टीवी नरेन्द्रन ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में खनिज और धातु क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास को बढ़ावा देने वाली एक चालक शक्ति रही है इस क्षेत्र में वर्तमान में राष्ट्रीय सकत घरेलू उत्पादका लगभग 4-5 प्रतिशत योग दान है।

2030 तक प्रतिवर्ष 300 मिलियन टन राष्ट्रीय इस्पात नीति के लक्ष्य को ब्यान में स्वते हुए यह वर्षों से आगे बढ़ने की उम्मीद है। श्री नरेन्द्रन ने कहा कि इस्पात क्षेत्र में सकारात्रमक वृद्धि देखीं जा रही है और यह प्रवृत्ति पूरे विश्व में आर्थिक गतिविधियों में सुधार के साथ जारी रहेगी।

इंडियन स्टील एसोसिएशन के महा सचिव और कार्यकारी प्रमुख जो भास्कर चटकी ने कहा कि इस्पात मंत्रालय भारत सरकार द्वार दो महत्वपूर्ण नीतियों के पारित होने के साथ राष्ट्रीय इस्पात नीति 2017 और घरेलू रूप से निर्मित आयस्न के लिए प्राथमिकता पर नीति और स्टील उत्पाद कच्चे माल की सरक्षा

में वृद्धि अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों को बढ़ावा देने आयात निर्भरता को क्यम करने और उचित अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देने जैसी महत्वपूर्ण विंताओं को सामने आया है। इस समय एमएमएमएम 2018 जैसे प्लेटफॉर्म हितधारकों के लिए अपने उत्पादी प्रोद्योगिकियों और सेवाओं को आगे बढ़ाने के लिए एक समय पर अवसर प्रदान करते हैं



MOIL mulls developing high-grade manganese for electr

"Our focus should be on indigenisation and developing technologies and solutions specific to needs of India," he said.

Singh said today.

State owned MOIL is looking to develop high-grade manganese for batteries which could be used in electric vehicles (EVs), Steel Minister Chaudhary Birender

The research by MOIL, the country's top managase are producer, comes at a time when the government is aggressively pushing for electric vehicles to curb air pollution. Singh was speaking at an international conference on minerals and metal sector organised by ITEL

"Our focus should be on

undigenisation and developing

sechnologies and solutions specific to needs of India," he said.

M04.

MB4E:NE =

V---- 373486

The power ministry had earlier said the government was considering providing subsidy for setting up e-vehicle charging infrastructure, under a policy.

MULATED SERVE

Purpo Cit meets tilde Gadkari, organ Non-fee expansion of highways in case

tedia's langury-August coffee esports flat at 2.63 lake to see

One dead, has injured in gas less. at Serroung thip plant

However, Power Secretary A.K. Bhalla was of the view that it is a chicken and egg situation because charging stations would not be set up without enough e-vehicles and e-vehicle sales would not pick up unless there is enough facility to charge these vehicles.

183.00 - 400 10 APM

With an aim to promote EVs, the government had launched Faster Adoption and Manufacturing of Hybrid and Electric vehicles in India (FAME India) scheme in 2015.

As per the scheme, incentives sendid be offered on electric and hybrid vehicles of up to Rs 29,000 for bikes. and 8x 1.38 laids for cers.

Last week, Easel Infraprojects said it was planning to invest its 1,750 crore in phased manner to set up electric vehicle charging and battery swapping infrastructure.

Singh also pointed out that in the metal sector, India was strengthening its position with every passing year. About the steel sector, he said, it is a brilliant example of transformation and turnaround with the joint efforts of the government and the industry.

'Indian steel industry has come a long way since its downturn we are at the verge of becoming second largest (steel producert in 2018," he added.



Advance



Back

Steel industry hopes govt will bring clear policy to boost ecosystem

BS Reporter/New Delhi 28 Aug 18 | 12:56 PM









The 12th edition of the Minerals, Metals, Metallurgy & Materials International Exhibition and Conference (MMMM 2018), one of the largest such event in Asia, will be inaugurated by Minister of Steel Chaudhary Birender Singh at New Delhi's Pragati Maidan on Wednesday. The minister will also discuss the current challenges with global leaders and captains of India's steel industry.

More than 400 exhibitors from 15 different countries are participating in MMMM 2018. It will have country-level participation from China, Austria, France, Finland, Germany, Italy, Russia, Spain, the UK and US, besides state-level participation from mineral-rich Jharkhand, West Bengal, Odisha, Karnataka and Gujarat. Trade delegations from 7 countries will visit MMMM 2018 for investment opportunities as well.

Related Stories

No Related Stories Found

Ad closed by Google

Stop seeing this ad

Why this ad? ①

MMMM 2018 is supported and co-sponsored by the Union ministries of steel, mines, earth sciences, external affairs, commerce & industry, heavy industries and public enterprises, and micro, small & medium enterprises (MSME), besides the Council of Scientific & Industrial Research (CSIR).

ALSO READ: Steel Ministry unveils sports policy, aims to groom Olympic medal hopes

Sanjeev Batra, director, ITEI, said the industry was hoping the government would initiate a clear policy to encourage long-term sustainability and positive ecosystem. As the US government is maintaining anti-dumping duties on steel bars from India but is ending them for Japan. Spain, and Brazil recently, MMMM 2018 will be a great opportunity for all stakeholders to meet, interact and network with entrepreneurs, consultants, editors, senior government officials, decision makers and industry leaders.



राजधानी के प्रगति मैदान में पात, खनिज, सामग्री और धातु विज्ञान पर आयोजित तीन दिवसीय अंतराष्ट्रीय प्रदर्शनी एनएमएनएम-2018 में शामिल इन उद्योगों के वर्ड जानकार लोगों ने कहा कि कच्चे माल की कीमतों में

तेजी को देखते चातु रीसाइक्सिंग उद्योग एक करगर विकल्प हो सकता है। प्रदर्शनी की आयोजक इंटरनेशनल ट्रेड एंड एक्पिडिशम्स इंजिया (आईटिईआई) के किए निदेशक संजीव बना ने भाषा से करा, 'करने मान की कीमाँ नहीं वंजाइयां कु रही हैं. ऐसे में भारत में रीसाइजिलेंग धाल तसीम की सफलता के लिए एक नपी कंजी साबित ही सकता

उन्होंने कहा कि भारत में अमेरिका और चीन की तरह रीसाइक्लिंग इकाइवों के लिए 'विशेष रूप से सामग्री ਹੈਕਤਰਿਜੇਧ ਕੀਤ ਸਮੁਧਿਤ ਰਿਹਾ ਗਏ ਚਾਤਿਦ।"

बजा ने कहा कि एमएमएमएम-18 के दौरान चर्चा के विषयों में रीसाइजिलेंग उद्योग को भी प्रमुख विषयों में शामिल किया गया है। बजा ने एक अध्ययन का सवाला देते हुए कहा कि, एक टन स्टील सौंध्य की रीसाइक्लिंग 1.2 टन लौत अयस्क, 0.7 टन कोंपला, 0.5 टन चुना पत्थर और 287 लीटर ईंधन तेल बचाती है। इसके साथ ही इससे 2.3 पन मीटर लैंडफिल की जरूरत कम होती है। पानी की खपत में 40 प्रतिशत और कार्बनडाई आक्साइड उसार्वन में भी 58 प्रतिशत क्यी होती है।"

निजी क्षेत्र की इस्पात विनिर्माता जेएसडस्ट्यू सटील लि. के एप प्रबंध निदेशक जा विनोद नोवाल ने कहा, " भारत में जभी स्ट्रील स्क्रैय की स्थिति नहीं आपी है। अभी इस्तेमाल हो रहे इस्पात को स्क्रैय करने (भंगार में जातने) में 20-25 साल का समय लगेगा।"

देश में स्क्रैय की एवलस्थता की कमी के कारण पुराना लोहा गता कर इस्पात बनाने वाली सेकेंद्री इस्पात इकायों भारी माजा में गलाने वाला लोगा भीरत आयात करती हैं। तसीग जगत की रचतों के अनुसार भारत में गलाने के लिए बालाना करीब बाता दो करोड़ दन लोड़े के ब्रेडिय का आधात किया जाता है।

बजा ने कहा, 'भारत में रीसाइजिस्म संगठनात्मक अध्यमताओं, प्रोत्साहन की विसंगतियों, जर्जर आधारमत संरचना और कर्ज सुविधा की कमी के करण संभावनाओं के अनुरूप यह नहीं या रहा है।" उन्होंने कहा कि भारत में रीसाइक्सिम उद्योग को प्रोत्साहित किया जाए तो यह 2030 तक सकल परेलु उत्याद में 11 प्रतिकृत का योगदान वन सकता है और इस दौरान 14 लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त बच्चा भी हो सकती है। रूम गहन होने के करण इस क्षेत्र में रोजगार के अवसरों की भी बड़ी संभावना है।



States

< Share

Posted at: Aug 31 2018 ≥ 59PM

United News of India

Tuesday, Sep 4 2018 | Time 15:53 Hrs(IST)



BREAKING NEWS: NAC under UPA, Sonia Gandhi was launching ground for Nax

India World Sports + Bosiness & Economy Science & Technology Features Entertain

Home News+ Photo Hindi Urdu

About UNI Contact us JOSS TENDER

BITEL.

¥ 30,130,00 -90,00 (-0,32%)

Smes + Sector + Marials, Mining & Minerals

Recycling is New Mantra for long term metal sector growth; believe majority of steel participants

Market - News - Ideas - Mutual Funds - Personal Finance - Earnings Portfolio Watchlist

HCL Technologies

₹ 1,076.35 ★ 27.20 (2.5mm)

Crudy oil O too to low

₹ 5.083.00 ★ 71.00 (1.42%)

This is one of the highest in number in India in any single location Industry specific Exhibition. More than 525 exhibitors from 15 different countries are participating in MMMM 2018.

August 14, 2018 1416 ST. India televise News Service.

12th edition of Minerals, Metals, Metallurgy & Materials International Exhibition and Conference (MMMM 2018), one of the largest in this part of the world, was visited by 12,000 B2B visitors. This is one of the highest in number in India in any single location Industry specific lighthition More than 525 exhibitors from 15 different countries are participating in MMMM 2018. Tremendous response is observed by global exhibitors from China, Austria, France, Finland, Germany, Italy, Russia, Spain, UK & USA besides state-level participants from mineral rich states of Jharkhand, West Bengal, Orissa, Karnataka & Gujarat.

On this note, Mr. Sanjeev Batra, Director- ITEI said Global leaders and captains of India Steel Industry discussed the current challenges with Government officials and international Visitors in MMMM 2018. MMMM 2108 provided the impetus for the industry leaders to deliberate on the emerging technologies and futuristic trend that will pave the path for speedy growth and advancement of the Mineral & metal sector. The sector contributes 4.5% of the nation's GDP.

He further added that apart from discussion on capacity expansion, NCLT, raw material challenges, Anti-dumping duty, the biggest news for majority of the participants was RECYCLING Apart from sweating of assets thru smart modernization, the cheaper and continuous supply of Recycle scrap can increase the EBIDTA of the companies substantially. Recycling of one ton of steel acrap saves 1.2 tons of iron ore, 0.7 tons of coal, 0.5 tons of limestone, 287 liters of fuel oil, 2.3 cubic meters of landfill and is achieved through 40 per cent less water and with 58 per cent avoided COI emissions. Bigger benefits arise as recycling value chain is typically more labour intensive as it can putentially generate 6-8 times more jobs than by land-filling or incineration activities of wastes. In India, the metal recycling sector currently employs nearly 1.75 million people and contributes around 2 per cent to GDP. For India, recycling has the potential to create six times more jobs and generate around Rs14-lakh crore of additional cost savings by 2030, which is approximately 11 per cent of our annual GDP. The Government and industry should work together to create a system of incentives and disincentives to nudge citizens favorably to consume reused and recycled products. Ultimately consumer behavior and business practices are the key in transitioning to a circular economy.

MMMM 2018, the largest and the most prestigious event on Minerals, Metals, Metalhurgy & Materials on August 29-31, 2018 at New Delhi, India is now the unchallenged single location platform where business buyers interacted with regard to steel, metals, coal, mineral, forging and hand tools items. MMMM 2018 witnessed more than 12,000+ Trade visitor and 1000+ foreign investors and participants from the globe, which is more than the expectations of the organizers. Notable speakers at MMMM 2018 besides Minister of Steel were CMD / CEO of SAIL, JSW Steel, Tata steel, NMDC, NALCO, Midhani, NINL, NIPPON, Indian Oil, Paul Wurth, Sino Steel, Indian Steel Alliance, Mecon, Bureau of Indian standard, Hindustan Copper Limited, etc.

12K visit MMMM 2018 12th edition

Kolkata, Aug 21 (UNI) The twelfth edition of Minerals, Metallurgy & Materials International Exhibition and Conference (MMMM 2018), one of the largest in this part of the world, was visited by 12,000 B2B visitors.

This is one of the highest in number in India on any single location Industry specific exhibition. More than 525 exhibitors from 15 countries are participating in MMMM 2018. Good response was observed by global exhibitors from China, Austria, France, Finland, Germany, Italy, Russia, Spain, UK & USA besides state-level participants from mineral rich states of Jharkhand, West Bengal, Orissa, Karnataka and Guiarat,

Mr. Sanjeev Batra, Director- ITEI said, 'Global leaders and captains of India Steel Industry discussed the current challenges with Government officials and international visitors. MMMM 2308 provided the impetus for the industry leaders to deliberate on the emerging technologies and futuristic trend that will pave the path for speedy growth and advancement of the Mineral & metal sector. The sector contributes 4.5 per cent of the nation's GDP.

He further added that apart from discussion on capacity expansion, NCLT, raw material challenges, anti-dumping duty, the biggest news for majority of the participants was RECYCLING. Apart from sweating of assets through smart modernization, the cheaper and continuous supply of Recycle scrap can increase the EBIDTA of the companies substantially. Recycling of one ton of steel scrap saves 1.2 tons of iron ore, 0.7 tons of coal, 0.5 tons of limestone, 287 liters of fuel oil, 2.3 cubic meters of landfill and is achieved through 40 per cent less water and with 58 per cent avoided CO2 emissions.

Bieger benefits arise as recycling value chain is typically more labour intensive as it can potentially generate 6-8 times more jobs than by land-filling or incineration activities of wastes. In India, the metal recycling sector currently employs nearly 1.75 million people and contributes around 2 per cent to GDP.

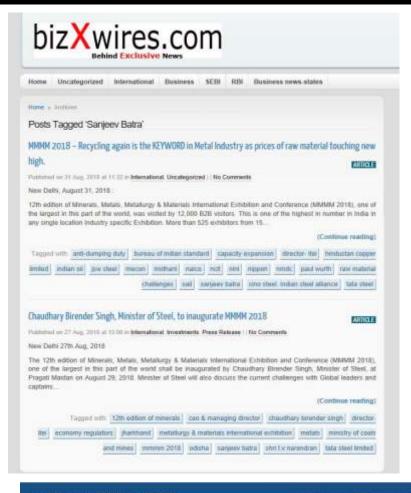
For India, recycling has the potential to create six times more jobs and generate around 14 lakh crore of additional cost savings by 2030, which is approximately 11 per cent of the annual GDP. The government and industry should work together to create a system of incentives and disincentives to nudge citizens favorably to consume reused and recycled products. Ultimately consumer behavior and business practices are the key in transitioning to a circular economy," he

The US scrap industry generated over 150,000 direct jobs and 303,000 indirect jobs, according to Institute of Scrap Recycling Industries (ISRI), USA. In China, the recycling industry created 1.5 million direct jobs and about 10 million indirect jobs.

According to a CPCB report, 91 per cent of solid waste was collected, of which, only 27 per cent was treated and the remaining 73 per cent was disposed at dump sites. A recent study indicates that India would need a landfill of SS sq. km, nearly the size of Bengaluru, to dump all its waste

MMMM 2018, the largest event on Minerals, Metals, Metallurgy & Materials was held between August 29-31 at New Delhi.

UNI PL





The twePD edition of Micessis, Messle, Morphage & Materials International Exhibition and Conference (MMMM) 2006), use of the largest to this part of the world, was visited by 12,000 829 visitors. This is one of the highest in number to India on any single foration indicate specific exhibition. More than \$25 exhibition from 15 countries we participation in MMMM MTE. Good response was absented by global articleture from China, Azarela, France, Flatiand, Germann, Italy, Banda, Spain, UK & Clin building state Sevel participants from raincent sick states of Bashband, West Beogal, Ditton. Karautaka and Osiavat, Mr. Sanjeer Batra, Director. ITED said, Diobal leaders and customs of India Steel Datastry. discussed the current challenges with Government officials and international violence. Middel 2008 provided the impetus for the industry leaders to deliberate on the energing technologies and flurariety mend that will pave the path for speedy growth and advancement of the Miterial is metal sector. The sector contributes 4.5 per cent of the nations CDF. He better added that spec X on Geomics on superity expension, NCLT, saw extend challenges, and damping date, the higgest never for majority of the participants was IECCLING. Appet from receding of smeta through smart. moderatization, the changes and continuous supply of Escycle scrap can become the SBEPSA of the companies submartially. Recycling of our torrol med using seven 1.2 tons of tensors, 0.7 tons of real, 0.3 tons of framemer, 207. from of that all, 1.5 color tarrers of lacality and is achieved through 40 set cont has contra and with 53 per cent woulded CHI resissions. Higger benefits actor as proyeting value chain in spacelly more inhour intensive as it can potentially warrate is 4 tipes may late than be laid 400pt or inchesting printies of some. In india, the next overthan series contently engines nearly 1.75 million people and contributes around 2 per cost to GOF. the India, recording has the potential to mente six times more into and presente annual 14 hith copy of additional cost savings by 2000, which is approximately 11 per cent of the annual SDP. The approximational industry should work together to create a natura of intentive and discountive to make chimes favorably to common record and revoled products. This work common behavior and humans practices are the key in manuficining to a chooler rescorery, he said. The LS temp industry securated over 190,000 direct into and 523,000 featured into accombing to hardness of Schar Revolute Instantion (ISES). DEA. In China, the very diag industry counsel 1.2 will be direct jobs and about 18 will be believe jobs. According to a CPCR report. 91 per cent of additivante was collected, of which, only 17 per cent was begand and the remaining 17 per cent was disposed at dump eiter. A revert study indicates that halfs would need a landfill of hit og line, nearly the size of Bengalans, to hope all its water by 1950.

METAL NETWORKS

HOM

EATURES

ODDICTS .

TESTIMONIALS COM

-



STEEL INDUSTRY HOPES GOVT WILL BRING CLEAR POLICY TO BOOST ECOSYSTEM

News

View original soul.

As the US government is maintaining anti-dumping duties on steel bars from India but is ending them for Japan, Spain, and Brazil recently, MMMM 2018 will be a great opportunity for all stakeholders to ...



номе भारत । इस्ते - सन्य - प्रमुख ग्रेटन - टेक्सेबॉर्ग - विश्वा - अवसंशिय - व्यक्त प्रमुख अर्थ / क्रील अर्थान्यक प्रदेश पर स्थितिक है हुए क्रील क्रिका

एमएमएमएम २०१८ का प्रगति मैदान में हुआ आयोजन

क्षणिक, बाहु, बाहु विकास और सामग्री की ओजनाष्ट्रीय पदर्शनी और सम्मोतन (पागरमसमाम 2018), के दुनियां के सबसे बहे 12 क*ि संस्थान* में 12,000 बीटवी अनावने द्वारा दीन किया गया।

पर किसी एक स्थान उद्योग विविद् प्रदर्शनी में भारत में सबसे ज्याद संख्या में से एक है। 15 विविद्ध देशों के 525 से अधिक प्रदर्शक एक्पासायका 2016 में भाग से रहे हैं। सन्तित समुद्ध राज्य-इगलबंद, पश्चिम बंगान, उद्योग और पुस्तान से भागिकरों के अस्तात, विदेशों से बीग, आंतिह्या क्रांस, निरुतीत, कार्नी, इटती, रूप्स, सीन, विटेग और पुरस्ता से जबरदसा प्रतिक्रिया देशी जा वर्षी है।

एनएमामप्तम 2018, बुस्ता मंत्रतय, दान नंत्रात्य, पूर्वी विद्वान मंत्रतय, विदेव मंत्रतय, व्यक्तिम और एवीन मंत्रतय, भरी एवीन और सर्वजनिक एवाम मंत्रात्य और वैद्यानिक और्विमिक अनुसंधन परिषद (सीरसमर्वजन) के मत्राद्य सुक्र, तथु और प्रथम प्रदास संवत्त्य द्वार सर्वाची और सह प्रयोगिक है।

नाईर्रीहॅनाई के निदेशक संनीत कहा ने कहा। एमएसएएएस 2018, वार्तिन, वाट्र, वाट्र विहान और सामग्री पर सबसे बता और प्रीतिक सामित्रम अधिवादित एकमाम मंच है पहले. प्राचन शादिवारों ने इत्सात, वाट्र, कोपाने, वार्तिन, वोर्तिन और हाथ अनाते के बते में अनावीत तर्थ।

एमरामानएव 2018 को 12000 से अधिक प्रायमी अमुंतकों और 100 से अधिक निवेशकों और दुनिया के प्रतिशामियों ने देखा को कि अपोत्तकों की उपमोद से एकड़ा है।

भारतिय दृश्याः प्राचीत के रिक्षक नेताओं और कपानों ने सरकारी अधिकारियों और अंतराष्ट्रीय अनुनकों के साथ मीजूदा पुनेतियों प्राचीत वर्ण की

एमसमान्त्रम् 2018 ने उपार्थी जीवांगिवियों और अविष्याची प्रवृति या विकार-दिवर्त करने के तिर एवंद्रेग नेताओं के किए प्रोत्मारण प्रदान किया जो समित्र और धाटु देश की तेती से वृद्धि और एवंद्रि के तिर मार्ग प्रवृत्त करेगा। यह देश देश के जीतीयी वर्ग 4.5 प्रतिकार योगदान देश है।



MMMM 2018 is augmented and as equipment by Minsely of Steel, Minsely of Bases, Minsely of Earth Townses, Minsely of Earth Townses, Minsely of Earth Africa, Minsely of Pages, Minsely of Pages, Minsely of Pages, Minsely of Pages, Minsely of Minsely of Pages, Minsely of Minsely of Minsely of Minsely of Pages, Minsely of Minsely of Minsely of Minsely of Pages, Minsely of Mins

MAIMA 2518 for mandress propriettes at yell

from 15 different countries are participating in event. Globally, AMMAN 35 have country-level participation from Chros. Austria, France, Fridans, Germany, Tabl., Bussia, Spain, UK & USA, Feebler, table-level participation from present not published of Junathness, Weet Bereau, Chross, Feenalates & Quasast, Toulor descriptions from 7 countries are also violated.

SPEED NEWS । है प्रवानिंग, वहां मिलेगी 1099 रुपए में प्रवाहर की टिकट, 2 दिन है मौका 🔹 फोन की बैटर्र

रीसाइविलंग से पैदा होंगे रोजगार, कच्चे माल की परेशानी भी हो सकती है खटम

रिसाइविलंग उद्योग पैदा कर सकता है नीकरियां







राजित, दारा, दारा, विद्यान और सामग्री की १२वीं अंतर्राष्ट्रीय प्रवर्शनी (एकरमप्रमध्म २०१८) और सम्मेलन का १२,००० लोगों में द्वीरा किया। इसमें 15 देशों के 525 से ऑपक प्रदर्शक भाग ले रहे हैं। खमिज समय राज्य झारकंड, पश्चिम बंगाल, उडीसा और युजरात से मागीबारी के अलाव यहां विवेतों से पीव, आंस्ट्रिया, फ्रांस, फिनलेंड, उसीवी, इटली, रूस, ਵਧੇਰ, ਵਿਵੇਜ਼ और ਦੁਵਲਵ ਦੇ ਤੁਸਰੇ ਜਾਂਸ ਵਿੱਚ है।

अईटीईअई के विदेशक संबोध बात में कहा कि दिल्ली में असंवित एमएमएमएम 2018 एक प्रतिरिक्त मंत्र है। उसी वदायर करिवारों ने इस्पत, धारा, कोचले, खनिज, फोर्जिंग के बारे में बातचीत की। फायमप्रमयमध्य 2018 को 12000 से अधिक ब्यावरी पर्वने और 100 में अधिक निरोक्तनों और दमिया के प्रतिसमियों में यहाँ का दौरा किया। यह क्षेत्र देश के जीडीपी का 4.5 प्रतिकृत खेमदान देता है।

रीमाइविष्टंग उद्योग पैदा कर सकता है नौकरिका

लंदान राज्य अमेरिका के रहेवा उत्पादिलंग इंडर्डिज बोज अईरराजराज्य के अवसार स्टब्स में रहेवा उत्पाद में 2015 में 1,50,000 से ऑफ़ प्रत्यक्ष नौकरियां और 3,23,000 से जरावा अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा की हैं। वहीं, चीन में सी रीराइविलंज उद्योग ने 1.5 जिल्हियन प्रत्यक्ष नौंकरियां और लगभग 10 जिल्हियन अप्रत्यक्ष नौंकरियां पैदा की है। बंगलर जिलनी बड़ी जगह वाहिए होगी क्षावर फेंकने के लिए

सीपीसीकी की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2014-15 में ठोज कचरे का 91 प्रतिसत एकत्र किया गया था, जिनमें से केवल 27 प्रतिकार पर काम किया गया और केंद्र 73 प्रतिकार कंप साइटी पर भेज किया गया। सरिवार उदयवन से स्कित मिलता है कि නැත්ව ඒ පැවැත්තෙන් වන යන අත් පැනසුද අත් පුරුණු වන් ශ්රී සියන වන විදුදු වන වැන වන අතුරුව වන අතුරු की अवस्थान होती।

ව්යාක්ෂිත්ත යනු ගත න්තරංගලන යනුගෙන්, හිතුන ශ්රයාලන, යන්ද යනුගෙන්, න්තලන්, න්තලන සිත ශ්රයාලන් के कारण सफल नहीं है। अमेरिका और पीन की तरह, सरकार रीसाइक्लिन उद्योगोंं का विश्व सार पर प्रतिस्थार्ध में संचारित करने में सहायता के लिए समित समग्री राजावी रीजाइविलंग जोन (एमजरजेंडपर) भी संवाधित कर सकती है।



रीसाइक्लिंग : रिपोर्ट

वनिन और धातु केंग्र के जनकारों ने देश में पुरानी धातुओं की रीसाइक्लिन को बढ़ाजा देने के लिए जिलेष रीसाइक्लिन जोन की स्थमन का सुद्राज दिया है.



at quite

6ag 30, 2016, Nr. O. PA HT

टेंडिंग न्यज

as sob so man't it writerally on 45. करना द्रोगा पद आपन बाग

कटका प्रश के खिलार nur के इस वरिष्ठ सांबद ने भी श्रीता संबर्ध, कहा-पुर्विधा हो

तर्रोक्त के साथ विशास अंबोनियाँक स्टूर्वर का रहा थ खाता काम, पेट खुलो

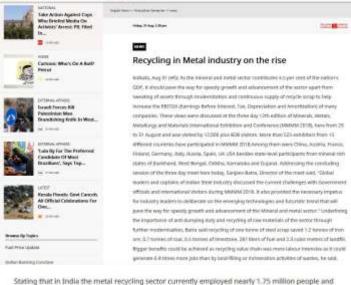
मित मारिक का महत्योदाता, मध्यूपी की वीत की एवं। साजिय और उपरर गया

वृत्तेय में राहुत मंदी के कार साम कर्न की कींगत भी हुई ठ०० रागीए भई पूरा मामल

नई दिल्ली : सानित और धार्न क्षेत्र के जानकारों ने देशा में पुरानी धार्म की रीमाइक्लिय (पुरानी धात को गीला कर नई सामग्री बनाने) को बढ़ावा देने के लिए विशेष रीसाइक्लिन जीन की स्थापना का सद्भाव दिया है. उन्होंने इसे भविष्य में कब्बे माल, लागत और पर्यावरण की बढ़ती चुनोती की दृष्टि से महत्वपूर्ण बताया है. राजधानी के प्रगति मैदान में बाद, खनिज, सामग्री और पात विज्ञान पर आयोजित 3 दिवसीय अंतराष्ट्रीय प्रदर्शनी एमएमएमएम-2018 में शामिल इन उद्योगों के कई जानकार लोगों ने कहा कि कच्चे माल की कीमतों में तेजी को देखते हए धात रीसाइन्तिम उद्योग एक कारगर डिकरप हो सकता है. प्रदर्शनी की आयोजक इंटरनेशनल ट्रेड एंड एक्किबिशंस इंडिपा (आईटीईआई) के वित्त निदेशक संबीव बजा ने कहा, 'कच्चे माल की कीमतें नई उत्तवाइयां छु रही है, ऐसे में भारत में रीसाइजिलेग धातु उद्योग की सफलता के लिए एक नई कभी साबित हो सकता है."

भारत में अमेरिका और चीन की तरह रीसाइक्लिन इकाइयों के लिए विशेष रूप से सामग्री रीसाइक्सिंग जोन स्थापित किए जाने चाहिए, एमएमएमएम-18 के दौरान चर्चा के विषयों में रीसाइक्लिंग उद्योग को भी प्रमुख विषयों में शामिल किया गया है. बन्ना ने एक अध्ययन का हवाता देते हुए कहा कि, एक टन स्टीत स्क्रैप की रीखड़क्लिंग 1.2 टन तीह अयस्क, 0.7 टन कोयता, 0,5 टन चूना परधर और 287 तीटर ईंधन तेल बचाती है. इसके साथ ही इससे 2.3 घन मीटर लैंडफिल की जरूरत कम होती है, पानी की खपत में 40 प्रतिशत और कार्बनडाई आक्साइड उत्सर्जन में भी 58 प्रतिशत कमी होती है."

निजी क्षेत्र की इस्पात विनिर्माता जेएसडब्स्य सटीश ति, के उप प्रबंध निदेशक डा विनोद नोवात ने कहा, "भारत में अभी स्टीत स्क्रैप की विश्वति नहीं आई है, अभी इस्तेमाल हो रहे इस्पात को रक्रिय करने (भंगार में डालने) में 20-25 साल कर समय लगेगा.' देश में स्क्रैय की उपलब्धता की कमी के कारण पुराना लोहा गला कर इस्पात बनाने वाली सेकंडी इस्पात इकाइयां भारी मात्रा में गलाने वाला लोहा स्क्रैय आयात करती हैं. उद्योग जगत की स्परों के अनुसार भारत में गलाने के लिए सालाना करीब सवा दो करोड़ टन लोहे के स्क्रैय का आयात किया जाता है.



contributed around 2 per cent to GDP, Batra said for the country recycling had the potential to: create six times more jobs and generate around its 14-lakh crore of additional cost savings by 2030, which is approximately 11 per cent of India's annual GDP. Keeping this mind the Government and industry should work together to create a system of incentives and disincentives to nudge citizens favorably to consume reused and recycled products, Batra said adding ultimately consumer behavior and business practices were the key in transitioning to a circular economy. Hindusthan Samachar/Ankur/Shri Rami.

dailubunt

एमएमएमएम का उदघाटन 29 को

लखनक। मिनरल्स, मेटल्स, मेटलर्जी एण्ड मटीरियल की अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी और सम्मेलन (एमएमएमएम) 2018 का 12 वां संस्करण 29 अगस्त-2018 को नई दिल्ली के प्रगति मैदान में होगा। आईटीईआई के निदेशक संजीव बत्रा ने बताया कि इस तीन दिवसीय एमएमएमएम एक्सपो-2018 का उदघाटन केन्द्रीय इस्पात मंत्री चौधरी बिरेंद्र सिंह करेंगे, इसके साथ ही वह मौजुदा चुनौतियों पर भी चर्चा करेंगे। उन्होंने उम्मीद जतायी कि एमएमएमएम एक्सपो-2018 में 12,000 से अधिक व्यापार आगंतक और 1,000 विदेशी निवेशक दुनिया भर से प्रतिभाग करेंगे।